राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 53 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,24 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

प्रणब मुखर्जी स्मृति व्याख्यान 31 अगस्त को

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की याद में 31 अगस्त को पहले स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की स्मृति में यह व्याख्यान प्रणब मुखर्जी लेजेसी फाउंडेशन-पीएमएलएफ वर्चुअल माध्यम से करेगा। इस प्रतिष्ठान की स्थापना श्री मुखर्जी की पुत्री प्रतिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता के विचारों को आगे बढ़ाने के मकसद से की है। प्रतिष्ठान ने उनकी पहली पुण्यतिथि पर यह आयोजन किया है।

दलित बंधु योजना के लिए 500 करोड़ और जारी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी 'तेलंगाना दलित बंधु' योजना के कार्यान्वयन के लिए हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र में पायलट आधार पर 500 करोड़ की दूसरी किस्त जारी की, जहां उपचुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, जिन्हें केसीआर के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा कल्याण योजना शुरू करने के एक सप्ताह बाद, निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा में, राज्य सरकार ने धन जारी करने के आदेश जारी किए।

पुरी जगन्नाथ मंदिर भक्तों के लिए खोला गया

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर को चार महीने के अंतराल के बाद सोमवार को श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया गया है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक कृष्ण कुमार ने कहा, भक्त सोमवार से शुक्रवार तक, सप्ताह के दिनों में सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शन कर सकते हैं। मंदिर सभी शनिवार और रविवार को सार्वजनिक दर्शन के लिए बंद रहेगा।

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकी किए ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो दहशतगर्द मार गिराए गए हैं। फिलहाल इलाके में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चला रखा है। जानकारी के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को श्रीनगर शहर में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी।

महिला ने लगाया सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, 2 गिरफ्तार

गुरुग्राम। एक महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि जब वह एक साझा ऑटो में घर जा रही थी, उस दौरान ऑटो चालक और उसके साथियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर पालम विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

रेल, रोड, गैस पाइपलाइन एयरपोर्ट बेच रही सरकार

6 लाख करोड़ की संपत्तियों का होगा विनिवेश | वित्त मंत्री ने नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइप लाइन की लांच

बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगाए जाएंगे प्राप्त संसाधन

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन को कामयाब बनाने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं : निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइप लाइन (एनएमपी) का शुभारंभ किया।

इसके जरिए देश की करीब छह लाख करोड़ रुपए की सरकारी संपत्तियों का विनिवेश किया जाएगा। इस मौके पर वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन को कामयाब बनाने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। वित्तमंत्री ने कहा कि एनएमपी उन ब्राउनफील्ड संपत्तियों के लिए है, जिनमें निवेश पहले से ही किया जा रहा है।

यह उन संपत्तियों के लिए है, जहां संपत्ति का पूरी तरह से मुद्रीकरण किया जा चुका है या जिनका कम उपयोग हो रहा है। इन संपत्तियों में हम निजी साझेदारी के जरिए इनका बेहतर मुद्रीकरण करेंगे और इसके जरिए जो भी संसाधन प्राप्त होंगे उनका बुनियादी ढांचे के निर्माण में और बेहतर उपयोग हो सकेगा। इस प्लान के तहत रोड और रेलवे संपत्तियों, एयरपोर्ट, पावर ट्रांसमिशन लाइनें और गैस पाइपलाइनों को बेचे बिना उनमें निजी क्षेत्र का निवेश लाया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इसका रोडमैप जारी किया।

जमीनें नहीं बेच रहे हैं

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइल लाइन योजना पर उठ रहे सवालों के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा, 'जिन लोगों के दिमाग में ये सवाल है कि क्या हम जमीनें बेच रहे हैं? नहीं, राष्ट्रीय यह उन संपत्तियों को लेकर है, जिनका बेहतर तरीके से मौद्रिकीकरण करने की जरूरत है।

चार साल का रखा लक्ष्य

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइप लाइन की शुरुआत के मौके पर नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा, 'हम राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइप लाइन को सफलता प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हमें लगता है कि बेहतर संचालन और रखरखाव के लिए निजी क्षेत्र को आगे लाना बहुत महत्वपूर्ण है। अमिताभ कांत ने कहा कि रेल, सड़क, बिजली क्षेत्र से जुड़ी छह लाख करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा की संपत्तियों को चार साल के दौरान मौद्रिकरण किया जाएगा।

निजीकरण की राह राष्ट्रीय हितों पर कुठाराघात : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सरकार के राष्ट्रीयकरण से निजीकरण की तरफ बढ़ते कदमों को देश के भविष्य के लिए खतरनाक बताते हुए कहा है कि पैसे बटोरने का यह तरीका बेहद हानिकारक है और राष्ट्रीय हितों पर गहरा कुठाराघात है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल पर ट्वीट किया मोदी सरकार का राष्ट्रीयकरण से निजीकरण की तरफ बढ़ने का फैसला देश के लिए हानिकारक साबित होगा। मोदी सरकार संपत्तियों को बेचकर अपने आर्थिक हित तो साध सकती है, लेकिन निजीकरण की होड़ राष्ट्रीय हितों पर कुठाराघात होगी।

किसानों के सड़कें रोकने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

केंद्र और उप्र सरकार को समाधान ढूंढने को कहा

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। किसान आंदोलन के दौरान सड़कें ब्लॉक करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और यूपी सरकार से इसका समाधान करने को कहा है।

नोएडा निवासी शख्स की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को आदेश दिया है कि दिल्ली से नोएडा के बीच सड़क पर कोई व्यवधान ना हो यह सुनिश्चित करें।

'किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन सड़कों को अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता है।'

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा, 'किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है लेकिन सड़कों को अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'इसका समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्य के हाथ में है। चाहे वजह कोई भी हो, सड़कों को ब्लॉक नहीं किया जा सकता है।' इसम मामले में केंद्र सरकार को समाधान ढूंढकर अदालत को रिपोर्ट करने को कहा गया है। यूपी सरकार ने मामले में अदालत को बताया है कि प्रदर्शनकारी किसानों से बात कर उन्हें सड़क खाली करने के लिए समझाने की कोशिश की जा रही है। यूपी सरकार ने कहा कि वो प्रदर्शनकारियों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनका सड़क ब्लॉक करना सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। नोएडा की निवासी मोनिका अग्रवाल ने अदालत में याचिका दाखिल कर कहा है कि सड़कों को खाली रखने के सुप्रीम कोर्ट के बार-बार के निर्देशों के बावजूद भी इसका पालन नहीं किया गया है। पिछले 9 महीने से किसान 3 कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार ने 26 को बुलाई विपक्षी नेताओं की बैठक

अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर जानकारी देंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर संसद में विपक्षी दलों के नेताओं को अफगानिस्तान के घटनाक्रम के बारे में गुरुवार को विस्तार से जानकारी देंगे। श्री जोशी ने सोमवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार सुबह संसदीय सौंध में संसद में सभी दलों के नेताओं को अफगानिस्तान की ताजा स्थिति पर जानकारी देंगे। इस बारे में सभी को ई मेल से निमंत्रण भेजा जा रहा है। सभी संबंधित नेताओं से अनुरोध है कि वे इस कार्यक्रम में शामिल हों।

तालिबान ने दी अमेरिका को धमकी

काबुल। तालिबान ने अमेरिका को धमकी दी है कि अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के मिशन की डेडलाइन को 31 अगस्त के आगे न बढ़ाया जाए। अगर अमेरिकी सेना 31 अगस्त के बाद भी यहां रुकती है, तो अमेरिका को इसका अंजाम भुगतना होगा। तालिबानी प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि 31 अगस्त रेड लाइन थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि उनकी फौज इस तारीख तक अफगानिस्तान से चली जाएगी। इस तारीख को आगे बढ़ाने का मतलब है अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना फिर अपना कब्जा बढ़ा रही है। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका को इसका परिणाम भुगतना होगा।

31 तक अफगानिस्तान नहीं छोड़ा तो भुगतना पड़ेगा अंजाम

देश में फिर उठने लगी जातिगत जनगणना की मांग

प्रधानमंत्री मोदी से मिले 10 दलों के नेता

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देश में जातिगत जनगणना की मांग फिर से उठने लगी है। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दस दलों के नेताओं के साथ सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह बैठक करीब 40 मिनट से ज्यादा चली। बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की सभी राजनीतिक पार्टियों का जातिगत जनगणना को लेकर एक मत है।

1931 में हुई थी जातिगत जनगणना

हम सभी ने प्रधानमंत्री से इसकी मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार के एक मंत्री का बयान आया था कि जाति के आधार पर जनगणना नहीं होगी। इसलिए हम सभी ने प्रधानमंत्री से मिलकर बात की। उन्होंने हमारी पूरी बात सुनी, उन्हें हर पहलू से अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना बेहद जरूरी है। यह सबके हित में है। वर्ष 1931 में जातिगत आधार पर जनगणना कराई गई थी, ये आंकड़े काफी पुराने हो गए हैं। इस बार जातिगत जनगणना हो जाने से सही आंकड़ा आ जाएगा और इसके बाद जिन वर्गों को सरकार की योजनाओं का उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है उनके बारे में ठीक ढंग से योजनाएं बन पाएंगी। राजद नेता तेजस्वी यादव भी पीएम मोदी से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि जातियों को ओबीसी में शामिल करने का हक राज्य सरकारों को दे दिया गया है, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा। क्योंकि, हमारे पास कोई आंकड़े ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना राष्ट्रहित में ऐतिहासिक काम होगा। एक बार आंकड़े सामने आ जाएंगे तो सरकारें उसके हिसाब से कल्याणकारी योजनाओं को भी लागू कर पाएंगी।

बिहार के मुख्यमंत्री की अगुवाई में राजद नेता तेजस्वी भी थे साथ

बिहार की सभी राजनीतिक पार्टियों का जातिगत जनगणना को लेकर एक मत है : नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार

जब देश में जानवरों, पेड़-पौधों की गणना होती है तो इंसानों की क्यों नहीं : तेजस्वी यादव, राजद नेता

इन नेताओं ने की मुलाकात

नीतीश कुमार (मुख्यमंत्री), नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, विजय कुमार चौधरी, जनक राम, मुकेश सहनी, कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा, सीपीआई विधायक सूर्यकांत पासवान, सीपीएम विधायक अजय कुमार, भाकपा माले विधायक महबूब आलम, एआईएमआईएम विधायक अख्तरूल इमान।

पंचतत्व में विलीन हुए कल्याण सिंह

अलीगढ़, 23 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान-हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। राजकीय सम्मान के साथ बुलंदशहर जिले के नरौरा स्थित बंशी घाट पर उनका अंतिम संस्कार हुआ। उनके बेटे राजवीर सिंह ने मुखाग्नि दी।

- राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई
- राजनाथ सिंह, योगी आदित्यनाथ व पुष्कर धामी ने किया नमन

इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य समेत कई बड़े नेताओं ने पूर्व सीएम को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतिम संस्कार के बाद सोशल मीडिया पर भी पूर्व सीएम को श्रद्धांजलि दी। लिखा, 'रामभक्ति में तज दिया, अपने सिर का ताज। राम शरण की ओर चले, परम रामभक्त आज।'

गृह मंत्री ने भी किए अंतिम दर्शन

नरौरी घाट से पहले पूर्व सीएम कल्याण सिंह का पार्थिव शरीर अतरौली स्थित गेस्ट हाउस में रखा गया। यहां गृह मंत्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, प्रहलाद पटेल समेत कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। हजारों की संख्या में अलीगढ़ के लोगों ने भी उन्हें नमन किया।

केजरीवाल ने देश के प्रथम स्मॉग टावर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के प्रयासों के तहत सोमवार को यहां देश के प्रथम 'स्मॉग टावर' हवा साफ करने वाली सार्वजनिक आधुनिक प्रणाली का उद्घाटन किया। श्री केजरीवाल ने दिल्ली का दिल माने जाने वाले कनॉट प्लेस में स्थापित इस टॉवर को प्रदूषण के खिलाफ जारी युद्ध में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यदि यह प्रयोग सफल सबित हुआ तो अन्य हिस्सों में भी ऐसा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर हवा साफ करने की यह प्रणाली अमेरिका से लायी गई है। इसके असर आंकलन आईआईटी दिल्ली और मुंबई के विशेषज्ञों द्वारा किये जाएंगे। वे एक माह के आंकड़ों के आधार पर शुरुआती और अगले दो साल में उसके असर के बारे में पूरी जानकारी देंगे। उनके सुझावों के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा कि इस प्रणाली को शहर के अन्य हिस्सों में स्थापित किया जाए या नहीं। उन्होंने कहा कि करीब 24 फुट ऊंचाई का यह टावर एक किलोमीटर के दायरे में हवा को साफ करेगा।

एक किलोमीटर के दायरे में हवा को करेगा साफ

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से की मांग

उपचुनाव की घोषणा करे आयोग

कोलकाता, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से मांग की कि राज्य में उपचुनाव का एलान करना चाहिए क्योंकि राज्य में कोरोना की स्थिति अब पूरी तरह से कंट्रोल में है। उन्होंने कहा कि लोगों को वोट डालने और विधानसभा के लिए चुने जाने का अधिकार है। हमें लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों में कटौती नहीं करनी चाहिए। ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ममता बनर्जी के लिए विधानसभा उप-चुनाव का रास्ता खाली करते हुए राज्य की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस नेता शोभन देव ने विधायक पद से इस्तीफा दे चुके हैं। वह भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे। यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पारंपरिक सीट रही है. लेकिन जब सीएम ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ नंदीग्राम सीट से लड़ने के लिए चली गई थीं।

उपलब्धि | **सेना में महिलाओं का बढ़ रहा दबदबा**

26 साल की सेवा के बाद 5 महिला अफसर कर्नल बनीं

नई दिल्ली,23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना के चयन बोर्ड ने कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स, कॉर्प्स ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर और कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स में सर्विस दे रहीं 5 महिला ऑफिसर्स को कर्नल रैंक पर प्रमोट किया है। यह पहली बार है जब इन ब्रांच में महिला अधिकारियों को कर्नल पद पर प्रमोशन की मंजूरी मिली है।इससे पहले केवल आर्मी मेडिकल कॉर्प्स, जज एडवोकेट जनरल और आर्मी एजुकेशन कॉर्प्स में शामिल महिला ऑफिसर्स के लिए प्रमोशन की व्यवस्था लागू थी।

3 ब्रांच में पहली बार इस पद पर मिली तरक्की

डिफेंस मिनिस्ट्री के बयान के मुताबिक, इन ऑफिसर्स को सर्विस में 26 साल पूरे होने पर प्रमोट किया गया है।

ये 5 महिला अफसर बनीं कर्नल

जिन 5 ऑफिसर्स को प्रमोट किया गया है उनमें कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स से लेफ्टिनेंट कर्नल संगीता सरदाना, कॉर्प्स ऑफ ईएमई से लेफ्टिनेंट कर्नल सोनिया आनंद और लेफ्टिनेंट कर्नल नवनीत दुग्गल और कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स से लेफ्टिनेंट कर्नल रीनू खन्ना और लेफ्टिनेंट कर्नल रिचा सागर शामिल हैं। तय ब्रांच के अलावा दूसरी ब्रांच में महिला ऑफिसर्स को कर्नल पद पर प्रमोट करना बड़ा कदम माना जा रहा है।

एनडीए परीक्षा में भी मिली इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते महिला अभ्यर्थियों को एनडीए एग्जाम में बैठने की इजाजत देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई की थी। इसमें महिलाओं को नेशनल डिफेंस एकेडमी में एंट्रेंस एग्जाम देने की अनुमति दी गई। एनडीए में इससे पहले केवल मेल कैंडिडेट्स ही शामिल हो सकते थे। इस फैसले को इंडियन आर्मी में महिलाओं को परमानेंट कमीशन देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

खबर एक नजर

अमरीकी सेना के विमान में अफगानी प्रसूता ने बच्ची को दिया जन्म

बर्लिन, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भयभीत लोग पलायन पर मजबूर हैं। अमरीकी सेना के अनुसार पश्चिम एशिया से जर्मनी के रामस्टीन वायु सैन्य अड्डे की ओर जा रहे उसके सी-17 विमान में सवार एक अफगान प्रसूता ने बच्ची को जन्म दिया। अफगानिस्तान से निकाले जा रहे लोगों के लिए रामस्टीन वायु सैन्य अड्डे को एक ट्रांजिट पोस्ट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। रामस्टीन वायु सैन्य अड्डे पहुंचने पर अमरीकी चिकित्सा कर्मियों ने विमान में आकर महिला को प्रसव में मदद की। विमान में जन्म लेने वाली बच्ची और उसकी मां दोनों को ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करा दिया गया और दोनों ही स्वस्थ हैं।

आरएसएफ की अमरीका से अपील, अफगानी पत्रकारों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बनाए विशेष योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकियों का कहर विदेशी मीडिया के लिए काम करने वाले अफगानी पत्रकारों पर भी टूट रहा है उनकी हत्या के बढ़ते मामलों से चिंतित रिपोर्टर्स विदाऊट बॉर्डर्स (आरएसएफ) ने अमरीका से अफगान पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को बाहर निकालने के लिए एक विशेष योजना बनाने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के गैर सरकारी संगठन आरएसएफ ने कहा, 'प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के रक्षक के रूप में अमेरिका की छवि दांव पर है।' संगठन के मुताबिक अमेरिका को अफगान पत्रकारों को निकालने की योजना बनानी चाहिए और अपने सैनिकों को वापस बुलाने में देरी करनी चाहिए। संगठन ने कहा कि ऐसा लगता है कि अमेरिका की अफगानिस्तान में सिर्फ एक प्राथमिकता है, अपने नागरिकों और पूर्व कर्मचारियों को बाहर निकालना। संगठन ने पत्रकारों की निकासी की अनुमति देने के लिए अफगानिस्तान में अमेरिकी सैन्य अभियानों के समापन को वर्तमान तिथि से आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। उसने कहा कि 31 अगस्त तक अफगान पत्रकारों सहित बड़े खतरे में पड़े सभी लोगों को निकालने का काम व्यावहारिक रूप से असंभव होगा।

तालिबान की वापसी से 'ड्रैगन' की बांछे खिली

बीजिंग, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान रिटर्न से चीन की बांछे खिल गई हैं। ड्रैगन तालिबान को खुश करने की कवायद में जुट गया है। इसी कड़ी में काबुल में चीनी दूतावास ने अफगानिस्तान में अपने नागरिकों से इस्लामिक रीति-रिवाजों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया जिसमें ड्रेस कोड और सार्वजनिक रूप से भोजन करना शामिल है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी चीनी नागरिकों को जारी एक एडवाइजरी में दूतावास ने यह भी सुझाव दिया है कि वे काबुल के हामिद कारजेई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अन्य अराजक स्थलों से दूरी बनाए रखें। पिछले महीने चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने उत्तरी चीनी बंदरगाह शहर तियानजिन में तालिबान प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान एक उदारवादी इस्लामी नीति अपना सकता है। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में योगदान देने के लिए चीन का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चीन ने देश में शांति और सुलह को बढ़ावा देने में रचनात्मक भूमिका निभाई है। उधर, चीन ने कहा है कि अफगानिस्तान को फिर से आतंकवाद का अड्डा नहीं बनने देना चाहिए और गृह युद्ध का सामना कर रहे देश में तालिबान के सत्ता में आने के बाद इस संकट से निपटने में दृढ़ता से उसका समर्थन किया जाना चाहिए। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) से जुड़े सैकड़ों आतंकवादी तालिबान की गतिविधियों के बीच अफगानिस्तान में एकत्र हो रहे हैं। चीन इसी बात को लेकर चिंतित है और वह तालिबान संग अपनी दोस्ती बढ़ाने में जुटा है। इसके अलावा चीन की निगाह देश के खनिज संपदा पर भी है।

अमेरिका के वेवरली में बाढ़ आने से 22 लोगों की मौत

वेवरली, एजेंसी। अमेरिका के मिडिल टेनेसी में एक दिन में 17 इंच बारिश होने की वजह से बाढ़ आ गई जिससे लगभग 22 लोगों की जान चली गई और अनेक लोग लापता हैं। रविवार को बचाव दल क्षतिग्रस्त घरों और मलबे के बीच लोगों को तलाशते रहे। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश में ग्रामीण इलाकों में सड़कें बह गईं, सेलफोन टॉवर उखड़ गए तथा टेलीफोन लाइनें ठप पड़ गईं। बताया गया है कि आपातसेवाकर्मी लोगों की घर-घर जाकर तलाश कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार जो लोग लापता हैं उनमें से ज्यादातर नजदीक के इलाकों में रहते थे जहां पर पानी सबसे तेजी से बढ़ा। मरने वालों में दो जुड़वां बच्चे हैं। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा ने बताया कि हम्फरेज काउंटी में एक दिन से भी कम वक्त में करीब 17 इंच बारिश हुई। टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने क्षेत्र का दौरा किया।

पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर अमेरिका की वापसी से दुखी

लंदन, एजेंसी। अमेरिका पर 20 साल पहले हुए 9/11 हमले के बाद अफगानिस्तान में सैनिकों को भेजने वाले ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर का कहना है कि अमेरिका के वापसी के फैसले से 'दुनिया का प्रत्येक जिहादी समूह खुश है। शनिवार को अपनी वेबसाइट पर लिखे एक लंबे आलेख में ब्लेयर ने कहा कि सैनिकों की वापसी का फैसला 'दुखद, खतरनाक और गैर जरूरी था।' उन्होंने कहा कि जब तक ऐसे लोगों को अफगानिस्तान से निकाल नहीं लिया जिन्हें निकालना जरूरी है, तब तक ब्रिटेन पर वहां मौजूद रहने की नैतिक बाध्यता है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की वापसी पश्चिमी देशों या अफगानिस्तान के हित में नहीं थी। तालिबान के एक सीनियर अधिकारी ने सीधे तौर पर काबुल एयरपोर्ट की भगदड़ का आरोप अमेरिका पर लगा दिया है। आमिर खान मुताकी ने कहा कि अमेरिका अपनी इतनी सारी ताकत और सुविधाओं के साथ भी एयरपोर्ट पर शांति स्थापित नहीं कर सका है। आमिर ने यहां तक दावा कर दिया कि पूरे देश में शांति है लेकिन काबुल एयरपोर्ट पर ही भगदड़ मची है।

हमास शासकों के हथियारों के जखीरे पर बमबारी

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा पट्टी के हमास शासकों के हथियार डिपो पर रविवार तड़के बमबारी की है। इससे पहले सीमा पर लगी बाड़ पर हुए हिंसक प्रदर्शन में दोनों तरफ के कुल 25 लोग जख्मी हुए थे। गाजा के हमास शासकों ने इजरायल और मिस्र की नाकेबंदी के खिलाफ ध्यान आकर्षित करने के लिए शनिवार को प्रदर्शन किया था, जिसमें सैड़कों लोगों ने हिस्सा लिया था और इसमें हिंसा भड़क गई थी। हजारों लोग सीमा पर लगी बाड़ों के पास पहुंच गए और उन्होंने जलते टायरों के काले धुएं के पीछे से इजरायली सैनिकों की ओर पत्थर और विस्फोटक फेंके। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इजरायली सैनिकों की ओर से की गई गोलीबारी में एक 13 साल के लड़के समेत कम से कम 24 फलस्तीनी जख्मी हुए हैं।

बाइडन ने अफगानिस्तान से अपने बलों की वापसी के कदम को सही ठहराया

- बाइडन ने कहा- इतिहास के पन्नों में इस फैसले को तार्किक और उचित निर्णय के रूप में दर्ज किया जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने युद्धग्रस्त देश से अपने बलों की वापसी के कदम को सही ठहराते हुए कहा कि इतिहास में यह कदम तार्किक और उचित निर्णय के रूप के दर्ज किया जाएगा। अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के फैसले के कारण बाइडन प्रशासन की आलोचना हो रही है, क्योंकि बलों के लौटने के कारण तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है, जिसके कारण देश में अराजकता फैल गई है।

बाइडन ने व्हाइट हाउस में कहा कि मुझे लगता है कि इतिहास के पन्नों में इस फैसले को तार्किक और उचित निर्णय के रूप में दर्ज किया जाएगा। इससे पहले, भारतीय मूल की अमेरिकी नेता निकी हेली ने अमेरिका सरकार की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका ने तालिबान के सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण कर दिया और अफगानिस्तान में अपने सहयोगियों को छोड़ दिया। हेली ने एक साक्षात्कार में कहा, वे तालिबान से वार्ता नहीं कर रहे। उन्होंने तालिबान के समक्ष पूरी तरह आत्मसमर्पण कर दिया।

उन्होंने बगराम वायुसेना अड्डे को सौंप दिया, जो नाटो का बड़ा केंद्र था। उन्होंने 85 अरब डॉलर के उपकरण और हथियार भी सौंप दिए। उन्होंने अमेरिकी लोगों का समर्पण कर दिया और उन्होंने अमेरिकी लोगों की वापसी से पहले अमेरिकी बलों को वापस बुला लिया।

उन्होंने विदेशों में तैनात मेरे पति जैसे लोगों को सुरक्षित रखने वाले अफगान साथियों को छोड़ दिया। कोई बातचीत नहीं हुई। यह पूरी तरह आत्मसमर्पण था और शर्मनाक नाकामी है। इस बीच बाइडन ने कहा कि तालिबान को एक मूलभूत फैसला करना होगा। उन्होंने कहा कि क्या तालिबान एकजुट होने की कोशिश और अफगान लोगों का कल्याण करेगा, जो किसी समूह ने अभी तक नहीं किया है? बाइडन ने कहा कि यदि वह ऐसा करता है तो उसे आर्थिक सहायता, व्यापार समेत अतिरिक्त मदद चाहिए होगी। उन्होंने कहा कि तालिबान ने ऐसा कहा है। हम देखेंगे कि वह वास्तव में ऐसा करता है या नहीं।

वे अन्य देशों की मान्यता चाहते हैं। उन्होंने हमें और अन्य देशों से कहा है कि वे नहीं चाहते कि हम अपनी राजनयिक मौजूदगी समाप्त करें। फिलहाल ये केवल बातें हैं। बाइडन ने कहा कि उनकी प्राथमिकता अफगानिस्तान से जल्द से जल्द और सुरक्षित तरीके से अमेरिकी नागरिकों को बाहर निकालना है।

उच्च रक्तचाप और डायबिटीज के मरीजों में ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश रिसर्चर्स का दावा है कि कोविड से जूझने वाले ऐसे युवा जो हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीज हैं, उनमें ब्रेन स्ट्रोक का खतरा अधिक है। अध्ययन की रिपोर्ट के मुताबिक, हॉस्पिटल में कोरोना से बुरी तरह संक्रमित हुए युवाओं में स्ट्रोक के मामले देखे गए हैं। कोविड के 267 मरीजों पर हुई रिसर्च में इसकी पुष्टि भी हुई है।

रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, इन 267 में से 50 फीसदी मरीजों में स्ट्रोक के मामले सबसे कॉमन थे। संक्रमण के कारण दिमाग में डैमेज होने की जांच में पुष्टि भी हुई। रिसर्च करने वाले इंग्लैंड के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल साउथैम्प्टन की रिसर्चर डॉ एमी रोस-रसेल का कहना है, कोविड के मरीजों में अलग-अलग तरह की न्यूरोलॉजिकल और सायकियाट्रिक प्रॉब्लम्स देखी गई हैं। कुछ मरीजों ऐसे भी थे जिनमें दोनों तरह की दिक्कतें एक-साथ देखी गईं। यह साबित करता है कि कोरोना एक ही मरीज में नर्वस सिस्टम के अलग-अलग हिस्सों पर बुरा असर डाल सकता है। रिसर्चर डॉ एमी रोस-रसेल के मुताबिक, जो मरीज स्ट्रोक से परेशान हुए उनके शरीर के कई हिस्सों में रक्त के थक्के जमने के बाद धमनियों में ब्लॉकेज देखे गए हैं। भारत में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसमें लम्बे समय तक दिमाग पर बुरा दिखता रहा है। इनमें एनसेफेलोपैथी, कोमा और स्ट्रोक के मामले शामिल है। इतना ही नहीं, कोरोना के मरीजों में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले भी सामने आ रहे हैं। ये मामले भी मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों का उदाहरण है।

गुइलेन-बैरे सिड्रोम के मरीजों में शरीर का इम्यून सिस्टम दिमाग की नर्व और स्पाइनल कॉर्ड पर अटैक करता है। ब्रेन स्ट्रोक के मामले तब सामने आते हैं जब ब्रेन तक रक्त पहुंचाने वाली धमनी डैमेज हो जाती है।

अमेरिकी विदेश विभाग पर साइबर अटैक, खतरे में पड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का विदेश विभाग इस माह एक नए साइबर हमले की चपेट में आ गया था। यह जानकारी रक्षा साइबर कमांड विभाग ने दी है। इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि हम अपनी जानकारी की सुरक्षा की जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हैं और सूचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमेशा जरूरी कदम उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों की वजह से हम इस समय किसी भी कथित साइबर घटना या उसके दायरे पर चर्चा करने की स्थिति में नहीं हैं।

अभी यह नहीं कहा जा सकता कि इस उल्लंघन से किसी विभाग का काम प्रभावित हुआ है या नहीं। हालांकि, सीनेट होमलैंड सुरक्षा समिति की एक रिपोर्ट में अधिकांश कार्य क्षेत्रों में विभाग की सुरक्षा अप्रभावी पाई गई और इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया कि संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा जानकारी खतरे में थी। रिपोर्ट में जिन संवेदनशील सूचनाओं का जिक्र किया गया है, उनमें पासपोर्ट की जांच के लिए इस्तेमाल किए गए नाम, जन्मतिथि और सामाजिक सुरक्षा नंबर शामिल हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकियों और अफगानों को निकालने के अमेरिका के प्रयासों से परिचित सूत्र ने बताया कि ऑपरेशन सहयोगी शरणार्थी प्रभावित नहीं हुआ है। समिति ने कहा आडिटर्स ने राज्य की सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों की पहचान की और कहा, विभाग के पास ह्यइफेक्टिव डेटा प्रोटेक्शन एंड प्राइवेसी प्रोग्राम नहीं था।

बिजली गिरने से गई 500 भेड़ों की जान

जार्जिया, एजेंसी। जॉर्जिया में बिजली गिरने से 500 भेड़ों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि ये भेड़ें पहाड़ों पर घास चर रही थीं। भेड़ों के मालिक निकोले लेवनोव के लिए काम करने वाले चरवाहे ने उन्हें बताया कि तूफान के बाद यहां सैकड़ों भेड़ों की मौत हो गई थी। लेवनोव के अलावा 400 और भेड़ों की बिजली गिरने से मौत हो गया। चरवाहा भी बेहोश हो गया लेकिन उसे ज्यादा चोट नहीं आई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पहाड़ पर इन भेड़ों के शव बाद में पड़े मिले। लेवनोव और दूसरे भेड़ों के मालिकों ने जॉर्जिया प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। हालांकि, इसके लिए पहले एक साइंटिफिक कमिशन पहले यह तय करेगी की इन भेड़ों की मौत बिजली गिरने से हुई है या नहीं। वहीं निनोट्समिंडा के डेप्युटी मेयर अलेग्जेंडर माइकलाद्ज ने कहा है कि ऐसा मामला पहली बार देखा गया है।

उन्होंने इससे पहले तूफान में एक साथ इतनी सारी भेड़ें मरने का मामला पहले कभी नहीं सुना। उनका कहना है कि किसानों की मदद की जाएगी लेकिन पहले यह साबित करना होगा कि भेड़ों की मौत कैसे हुई। इससे पहले साल 2016 में नॉर्वे में इस तरह घटना सामने आई थी जिसमें 300 रेंडियर की मौत हो गई थी। हरडनानरवीडा पठारी के दूरस्थ इलाके में इनकी मौत हो गई थी। इसे बिजली गिरने के कारण हुआ सबसे बड़ा हादसा माना गया।

पोर्टलैंड, ओरे में राजनीतिक रूप से विरोध करने वाले समूहों के बीच संघर्ष के दौरान मर्दित लड़के और फासीवाद-विरोधी प्रदर्शनकारी एक-दूसरे पर हमला करते हुए।

ईरान के राष्ट्रपति और जापान के विदेश मंत्री ने क्षेत्र में तनाव कम करने पर चर्चा की

राष्ट्रपति रइसी ने कहा- ईरान हमेशा अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के पक्ष में रहा है

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति और जापान के विदेश मंत्री की रविवार को तेहरान में हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने क्षेत्र में तनाव कम करने पर चर्चा की। राष्ट्रपति की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के हवाले से बताया गया कि जापान के विदेश मंत्री तोशीमिशु मोटेगी ने राष्ट्रपति इब्राहिम रइसी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। रइसी के राष्ट्रपति बनने और 2019 में जापान के प्रधानमंत्री की ईरान यात्रा के बाद किसी जापानी मंत्री की यह पहली ईरान यात्रा है। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ के आधिकारिक न्योते पर मोटेगी ईरान आए हुए हैं।

खबर के अनुसार, मोटेगी अपनी दो दिन की यात्रा में रइसी द्वारा मनोनित विदेश मंत्री सहित ईरान के अन्य अधिकारियों से मिलेंगे। रविवार को हुई बातचीत में रइसी ने अफगानिस्तान और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता बनाए रखने में जापान तथा अन्य देशों के प्रयासों का स्वागत किया। राष्ट्रपति ने कहा, ईरान हमेशा अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के पक्ष में रहा है। हां, हमारा मानना है कि अफगानों को अफगानिस्तान में अपना फैसला लेने का हक होना चाहिए। रइसी ने कहा कि वह क्षेत्र में असुरक्षा की स्थिति पैदा होने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान सहित क्षेत्र में अमेरिकियों की मौजूदगी ने सुरक्षा नहीं दी है। मोटेगी ने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए क्षेत्रीय देशों द्वारा किए जा रहे कूटनीतिक प्रयासों का जापान भी समर्थन करता है। उन्होंने कहा, जापान का मानना है कि समस्याओं का समाधान बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

काबुल हवाई अड्डे की स्थिति अविश्वसनीय रूप से अस्थिर : ब्लिंकन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से ही हजारों की संख्या में अफगान नागरिकों ने अपने परिवारों के साथ काबुल एयरपोर्ट के बाहर डेरा डाल रखा है। रविवार को एयरपोर्ट के बाहर हुई फायरिंग में 7 लोगों की मौत हुई है। इसके बावजूद हजारों लोगों की भीड़ अफगानिस्तान से सुरक्षित निकल जाने की आस में विदेशी उड़ानों का इंतजार कर रही है। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने काबुल हवाई अड्डे की स्थिति को अविश्वसनीय रूप से अस्थिर बताया है।

तालिबान ने 14 अगस्त को अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया था। अमेरिकी सैनिकों को इस महीने की आखिरी तारीख को अफगानिस्तान से वापल लौटना था। इससे दो सप्ताह पहले ही तालिबान के कब्जे ने सभी समीकरणों को उलट-पुलट दिया। 20 साल तक अमेरिकी सेना से ट्रेनिंग पाने वाले अफगान नेशनल आर्मी के जवानों ने तालिबान के सामने आसानी से घुटने टेक दिए। तालिबान के नए शासन से बचने और अमेरिका सहित विभिन्न देशों में शरण लेने के लिए हजारों अफगान व विदेशी नागरिक देश छोड़ने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। इस कारण काबुल हवाई अड्डे पर पूरी तरह अराजकता का माहौल पैदा हो गया है। लोग अपने बच्चों को एयरपोर्ट की सुरक्षा दीवार के पार अमेरिकी और नाटो सैनिकों के पास पहुंचा रहे हैं।

ब्लिंकन ने बताया कि हवाईअड्डे के बाहर एंट्री पॉइंट्स पर भारी भीड़ जमा है। यह अविश्वसनीय रूप से परेशान करने वाली स्थिति है। हमने आहत लोगों की दर्दनाक तस्वीरें देखी हैं और यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि हम अपनी क्षमता के अनुसार उनके लिए जो अधिकतम बेहतर हो सकता है वह करें। इस समय अमेरिका के लगभग 6000 जवान काबुल में तैनात हैं।

अमेरिका ने दो दिन पहले तक अफगानिस्तान से करीब 18000 लोगों को बाहर निकाला है। इनमें से 1200 अफगान नागरिक हैं। इन लोगों को कतर के रास्ते अमेरिका लेकर जाने की तैयारी है। आने वाले हफ्तों में अमेरिका ऑपरेशन एलाइज रिफ्यूजी नाम से मिशन चलाने जा रहा है। इससे इनकी संख्या बढ़कर 3500 तक हो सकती है। इन लोगों को यूएस रिफ्यूजी एडमिशन प्रोग्राम के तहत मदद की जा रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि अमेरिका का उद्देश्य आज भी एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित अफगानिस्तान बनाने का ही है। कहा जा रहा है कि अमेरिका 10 हजार तक अफगानी शरणार्थियों को शरण दे सकता है। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है जिन्होंने अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान में सहायता की है।

अंदराब में विद्रोहियों के घात लगाकर किए गए हमले में 300 से अधिक तालिबानी ढेर, अनेक को कैदी बनाया

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के पंजशीर में तालिबान पर घात लगाकर किए गए हमले में 300 से अधिक लड़ाके मारे गए हैं। जबकि बड़ी संख्या में उन्हें कैदी बना लिया गया है। तालिबान ने कारी फसीहुद्दीन हाफिजुल्लाह के नेतृत्व में पंजशीर पर हमला करने के लिए सैकड़ों लड़ाकों को भेजा था, लेकिन बगलान प्रांत की अंदराब घाटी में घात लगाकर बैठे पंजशीर के विद्रोहियों ने उन पर रास्ते में ही हमला कर दिया, जिसमें उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

उल्लेखनीय है कि तालिबान ने भले ही काबुल पर कब्जा कर लिया हो, लेकिन अफगानिस्तान का एक इलाका ऐसा भी है जिस पर कब्जे का उसका ख्वाब अभी पूरा नहीं हो सका है। 20 साल पहले जब तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में था, तब भी वह पंजशीर पर नियंत्रण नहीं कर पाया था और अब जबकि पूरे देश पर उसका कब्जा हो गया है, तो पंजशीर के लोगों ने एक बार फिर विद्रोह का बिगुल फूंक दिया है।

रिपोर्टों में बताया गया है कि काबुल पर कब्जे के बाद, विद्रोहियों के गढ़ पंजशीर घाटी की ओर बढ़ रहे तालिबान लड़ाकों पर बगलान प्रांत के अंदराब में विद्रोहियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 300 से अधिक तालिबान आतंकी मारे गए हैं और बड़ी संख्या में घायल हुए हैं। घायलों में कई तालिबानियों की हालत नाजुक है। इस दौरान बड़ी संख्या में तालिबानियों को बंदी बनाया गया है। मीडिया रिपोर्टों के साथ कुछ तालिबानियों की तस्वीरें सामने आई हैं। जिनसे पता चलता है कि तालिबान विरोधी मूवमेंट ने बगलान प्रांत के अंदराब में युद्ध के दौरान अनेक तालिबानियों को बंदी बना लिया है।

उल्लेखनीय है कि तालिबान ने कारी फसीहुद्दीन हाफिजुल्लाह के नेतृत्व में पंजशीर पर हमला करने के लिए सैकड़ों लड़ाकों को भेजा था, लेकिन बगलान प्रांत की अंदराब घाटी में घात लगाकर बैठे पंजशीर के विद्रोहियों ने उन पर रास्ते में ही हमला कर दिया। इस झटके से तालिबान का सप्लाई रूट भी ब्लॉक हो गया है।

खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर चुके अमरुल्लाह सालेह ने भी ट्वीट किया- ह्यअंदराब घाटी के एम्बुश जोन में फंसने और बड़ी मुश्किल से एक पीस में बाहर निकलने के एक दिन बाद तालिबान ने पंजशीर के एंट्रेंस पर फोर्स लगा दी है। इस बीच सलांग हाइवे को विद्रोही ताकतों ने बंद कर दिया है। ये वे रास्ते हैं जिनसे उन्हें बचना चाहिए। फिर मिलते हैं।

अहमद मसूद ने तालिबान को किया आगाह, कहा, जंग-बातचीत दोनों को तैयार

पंजशीर, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबानियों के काबुल में काबिज होने के बाद अफगानी नेता अहमद मसूद ने तालिबानी आतंकियों से सीधा मोर्चा ले रखा है। मसूद आतंकी संगठन के साथ बातचीत और जंग दोनों के लिए तैयार हैं। मसूद ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब तालिबानी आतंकियों ने पंजशीर की घाटी पर धावा बोलने के लिए हजारों की तादाद में अपने लड़ाकुओं को भेजा है। मसूद पक्ष का दावा है कि उन्होंने तालिबानियों को घेर लिया है और 300 से अधिक लड़ाकुओं को मार गिराया है। ह्यपंजशीर के शेरह्व कहे जाने वाले अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद ने मीडिया से फोन पर बातचीत में कहा, 'हम तालिबान को यह अहसास कराना चाहते हैं कि आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता बातचीत है।' तालिबान को शिकस्त देने के लिए अहमद मसूद ने अपनी एक सेना खड़ी की है जो अफगान सेना, स्पेशल फोर्सेस और स्थानीय लड़ाकुओं से मिलकर बनी हैं। अहमद मसूद ने कहा, ह्यहम नहीं चाहते हैं कि युद्ध शुरू हो।'

इस बीच तालिबान लड़ाकुओं ने अहमद मसूद को चुनौती दी थी कि वे या तो आत्मसमर्पण कर दें या फिर जंग के लिए तैयार रहें। बताया जा रहा है कि अहमद मसूद ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया तो तालिबान ने हमला बोला है। मसूद गुट का दावा है कि उसने तालिबान की सप्लाई लाइन को काट दिया है और 1000 तालीबानी फंस गए हैं। अब तक 300 से ज्यादा तालिबानी मारे गए हैं। मसूद ने कहा कि अगर तालिबान ने पंजशीर की घाटी में घुसने की कोशिश की तो हमारे समर्थक जंग के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा, ह्यवे अपनी रक्षा करना चाहते हैं, वे जंग लड़ना चाहते हैं, वे तानाशाही शासन का विरोध करना चाहते हैं।' पंजशीर में अहमद मसूद ने लगभग 9000 विद्रोही सैनिकों को इकट्ठा किया है। खबरों में बताया गया है कि इस इलाके में दर्जनों रंगरूट ट्रेनिंग एक्सरसाइज और फिटनेस प्रैक्टिस करते दिखे हैं। इन लड़ाकों के पास हम्वी जैसी गाड़ियां भी हैं।

उधर, खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर चुके अमरुल्लाह सालेह ने भी ट्वीट किया- ह्यअंदराब घाटी के एम्बुश जोन में फंसने और बड़ी मुश्किल से एक पीस में बाहर निकलने के एक दिन बाद तालिबान ने पंजशीर के एंट्रेंस पर फोर्स लगा दी है। हालांकि इस बीच सलांग हाइवे को विद्रोही ताकतों ने बंद कर दिया है। ये वे रास्ते हैं जिनसे उन्हें बचना चाहिए। 1990 के दशक में अहमद शाह मसूद ने तालिबान के साथ अपने संघर्ष के दौरान बड़ी प्रतिष्ठा हासिल की थी। भारत भी उनकी मदद करता रहा है। कहा जाता है कि एक बार जब अहमद शाह मसूद तालिबान के हमले में बुरी तरह घायल हो गए थे तब भारत ने ही उनको एयरलिफ्ट कर ताजिकिस्तान के फर्कहोर एयरबेस पर इलाज किया था। यह भारत का पहला विदेशी सैन्य बेस भी है। इसे खासकर नार्दन अलायंस की मदद के लिए ही भारत ने स्थापित किया था।

अमेरिका और अफगानिस्तान जीत या हार ?

जहां तक अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प की बात है तो वे भी अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाना चाहते थे। बाइडन को सेना वापसी की शुरूआती भूमिका उन्ही के कार्यकाल की तैयार मिली है। यह कार्य अंत में बाइडेन ने पूरा किया। क्योंकि यह एक निर्विवाद सत्य है कि आज के युग में किसी भी राष्ट्र को बाहरी सैन्य शक्ति के द्वारा नहीं बनाया जा सकता। स्वयम राष्ट्र के लोग ही अपने राष्ट्र का पुनर्निर्माण या व्यवस्था परिवर्तन करते हैं।आज का अफगानिस्तान, सीरिया, यमन, इराक, लीबिया की घटनाएं यही सिद्ध करती है। अगर कोई यह कहता है कि अमेरिका अफगानिस्तान से हारकर भाग गया ,जैसे कि अमेरिका वियतनाम से भागा था या बिल्कुल वैसे ही जैसे मुजाहिदीनो ने महाशक्ति रूस को भगा दिया था, तो वे अंधेरे के स्वर्गलोक में जी रहे हैं। उन लोगों से मेरा प्रश्न है कि क्या अमेरिका अफगानिस्तान पर कब्जा करने आया था ? क्या अमेरिका ने तालिबान का खात्मा करने की कसम उठाई थी ? वास्तव में अमेरिका ने इस विषय पर कोई वादा या बयान कभी नही दिया है।

अंतरराष्ट्रीय विचारक ,लेखक ,कूटनीति के जानकार अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना हटाने और तालिबानी शासन पुनः कायम होने पर अमेरिका की भूमिका का अपने अपने नजरिये से विश्लेषण कर रहे हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय विधि के प्रोफेसर की हैसियत से मैं आपको बताना चाहता हूं कि अफगानिस्तान में जो कुछ भी घट रहा है ,वह विधिवत अंतरराष्ट्रीय कानूनों के आधार पर हुए समझौते के अनुसार ही किया जाना है ,समझौते का उल्लंघन अलग विषय है।

विदित हो कि संयुक्त राज्य अमेरिका और तालिबान ने तीन महीने पहले कतर में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए और अफगानिस्तान में 19 साल तक चले युद्ध को समाप्त करते हुए अफगानिस्तान में मौजूद अलग-अलग राजनीतिक ताकतों के बीच बातचीत का रास्ता खोला। अमेरिकी विशेष दूत जाल्मय खलीलजाद के साथ दो साल तक चली सुलह और समझौते संबंधी बातचीत के बाद, सभी पक्षों ने एक रुख अपनाते हुए, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी का मसौदा तैयार किया, विदित हो कि अमरीका के साथ अफगानिस्तान की अपदस्थ गनी सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल हुए थे।

अफगानिस्तान के इतिहास का विश्लेषण कर कुछ विद्वान यह कह सकते है कि सोवियत यूनियन को भगाने के लिए अमेरिका ने ही तालिबान का सृजन किया था।

..लेकिन इस विषय पर मेरा प्रश्न यह है कि 'क्या वहां के निवासी इतने 'भोले' थे कि उन्होंने तालिबान के सृजन को स्वीकार कर लिया ?ह्व अगर कोई किसी को कुंआ में कूदने के लिए उकसाए, और अगर वो कूद जाए तो दोष किसका होगा ?

वास्तव के अंदर अमेरिका, 9/11 के सन्दर्भ में अफगानिस्तान में छुपे आतंकियों को निकालने ही गया था। जब वे आतंकी दड़बों में मार दिए गए, तो अमेरिका की उपस्थिति अफगानिस्तान में केवल सैन्य शक्ति प्रदर्शन तक सीमित रह गयी थी।

विगत दिनों जब मैं ओबामा की एक किताब पढ़ रहा था , उसमे इस विषय पर भी तथ्य दिए गए हैं ,जिनके अनुसार राष्ट्रपति ओबामा के प्रशासन के समय जब बाइडेन उपराष्ट्रपति थे, तभी वे ओबामा को अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को बाहर निकालने के लिए कह रहे थे। ओबामा अपनी इस पुस्तक 'ए प्रोमिज्ड लैंड' में लिखते है कि वर्ष 2009 में अफगानिस्तान पे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की व्हाइट हाउस में प्रथम मीटिंग के बाद जब ओबामा कांफ्रेंस रूम से अपने ऑफिस जाने के लिए सीढ़िया चढ़ रहे थे, तब बाइडेन तेजी से उनके पास आए और उनकी एक बांह पकड़कर कहाः 'मेरी बात सुनिए, बॉस; आर्मी जनरल आपको फंसा रहे है (कि अफगानिस्तान में अधिक सेना भेजी जाए तथा सेना समस्या को सुलझा लेगी); आप उन्हें ऐसा मत करने दीजिए।'

जहां तक अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प की बात है तो वे भी अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाना चाहते थे। बाइडन को सेना वापसी की शुरूआती भूमिका उन्ही के कार्यकाल की तैयार मिली है। यह कार्य अंत में बाइडेन ने पूरा किया।

क्योंकि यह एक निर्विवाद सत्य है कि आज के युग में किसी भी राष्ट्र को बाहरी सैन्य शक्ति के द्वारा नहीं बनाया जा सकता। स्वयम राष्ट्र के लोग ही अपने राष्ट्र का पुनर्निर्माण या व्यवस्था परिवर्तन करते हैं।आज का अफगानिस्तान, सीरिया, यमन, इराक, लीबिया की घटनाएं यही सिद्ध करती है।

अगर कोई यह कहता है कि अमेरिका अफगानिस्तान से हारकर भाग गया ,जैसे कि अमेरिका वियतनाम से भागा था या बिल्कुल वैसे ही जैसे मुजाहिदीनो ने महाशक्ति रूस को भगा दिया था, तो वे अंधेरे के स्वर्गलोक में जी रहे हैं। उन लोगों से मेरा प्रश्न है कि क्या अमेरिका अफगानिस्तान पर कब्जा करने आया था ? क्या अमेरिका ने तालिबान का खात्मा करने की कसम उठाई थी ? वास्तव में अमेरिका ने इस विषय पर कोई वादा या बयान कभी नही दिया है।

अमेरिका अग्गानिस्तान में आया था ,ओसामा बिन लादेन की खोज में जो कि पहले तो वहां की टोरा बोरा गुफाओं मे छुपा रहा , अमेरिकी सेना ने उसे खोजने के लिए तथ्या ओसामा के सहयोगी तालिबानों को मार कर (एक आंख वाले मौलाना उमर सहित) पूरे तालिबानी इलाको को नष्ट किया ,जबकि वो जानता था कि ओसामा पाकिस्तान में छुपा है।

फिर एक दिन उसकी सील टीम -6 पाकिस्तान में आई ,और आपरेशन जेरेनिमो के जरिये ओसामा बिन लादेन को उसने ठिकाने लगाया। कोई नही जानता कि उसे मार दिया, कूट दिया, समुद्र मे फैंका, या फिर किसी अमेरिकी जेल मे सीआइए और एफबीआई के लोग उस पर थर्ड डिग्री आजमा रहे हैं इसलिए अगर किसी को लगता है अमेरिका ने तालिबान से मुक्ति दिलाने के लिए अफगानिस्तान मे अवतार लिया था, तो उनको ये गलत जानकारी है।

अमेरिका को लादेन के बहाने पहले पूरे अफगानिस्तान में आतंकी ठिकाने नष्ट करने थे। जिसके लिए उनकी बडी कंपनियो ने पैसा उपलब्ध कराया था। फिर उसी टूटे फूटे मिट्टी का ढेर बन चुके अफगानिस्तान मे एक कठपुतली सरकार बैठाकर, सडक, पुल , बाँध, सेना , पुलिस , से लेकर हर ठेका अमेरिकी कंपनियो को देकर, उनको लागत पर बीस गुणा मुनाफा दिलवाना था

अमेरिका का मकसद पूरा हुआ।उसने लादेन को निपटा लिया , अल कायदा का वजूद खत्म कर दिया। अंत मे शिया ईरान को साधने के लिए , उसे पडोस मे सुन्नी तालिबान की जरूरत थी। तो शांति प्रक्रिया के बहाने तालिबान को अमेरिका ने ही इसफिर से खडा किया, उनसे बातचीत करी। और समझौते मे उनके लिए सत्ता पर काबिज होने की राह साफ करके पल्ला झाडकर , अपना मकसद पूरा करके निकल लिया। इसलिए 'अफगानिस्तान में अमेरिका की हार हुई' कहने वाले जियो -पॉलिटिक्स के विद्वानों से मेरा कहना है कि आपको सीआईए की ठीक से समझ नही है। वे कोई भी कार्य अध्ययन और शौध के बाद पूरी तैयारी से करते हैं। अमेरिका ने आपरेशन एंडोयोरिंग फ्रीडम मे सीधे तौर पर अपनी फौजे नही उतारी थी ,बल्कि उसने 'नॉर्दन अलायंस' को पैसा और हथियार दिये थे। तालिबान को हटाकर अपनी कठपुतली सरकार बैठाने के लिए, उसने ताजिक जनरल अब्दुल रशीद दोस्तम , और अहमद शाह मसूद के कंधो पर रखकर बंदूक चलायी थी। कंधार मे मुल्ला उमर का सफाया किया। उसने इन दोनो का वैसा ही इस्तेमाल किया, जैसे रूस के खिलाफ 'गुलुबुद्दीन हिकमतयारह्व का किया था। 2002 मे पंजशीर का शेर बनाकर अहमद शाह मसूद का खात्मा खुद उकअ ने ही कराया था। बाद मे काला झांगी घटना के बाद , ताजिक रशीद दोस्तम को ठंडा कर लिया। उसके बाद जनरल 'राजिक' को निपटवाया। वस्तु स्तिथि यह है कि तालिबान अमेरिका के बगराम एयरबेस छोडने के बाद अफगानिस्तान पर हावी नही हो रहे है।

संपादकीय

भाजपा के कल्याण

यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह जबसे अस्पताल में भर्ती हुए थे, भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंत्री आए दिन उनका हालचाल लेने जाते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या फिर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और दूसरे मंत्री-विधायक पूर्व सीएम की तबीयत के बारे में जानकारी लेते। यहां तक कि सीएम योगी आदित्यनाथ हर हफ्ते अस्पताल जाकर उनकी खैरियत पूछा करते थे। शनिवार को जब उनका निधन हुआ तो भाजपा के सभी नेताओं के साथ खुद पीएम मोदी भी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। यह बताने के लिए काफी है कल्याण सिंह के भाजपा और यूपी में क्या मायने थे। ऐसे वक्त में जब केंद्र से लेकर प्रदेश तक में पिछड़ा वर्ग को साधने की कोशिश चल रही है, तब कल्याण सिंह की अहमियत और भी बढ़ जाती है। कल्याण सिंह को मंडल-कमंडल की राजनीति का प्रयोग बताया जाता था। 90 के दशक में जब देशभर में मंडल की राजनीति तेज हुई तब जवाब में आरएसएस को यूपी में एक ऐसे चेहरे की तलाश थी जो उनके हिंदुत्व के रथ को हांकते हुए पिछड़ी जाति की राजनीति में भी खरा उतरे। संघ की यह खोज कल्याण सिंह पर जाकर पूरी हुई। कल्याण सिंह भाजपा के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बताए जाते हैं जो ओबीसी समाज से थे। कल्याण सिंह लोधी समुदाय से थे जिनकी आबादी सेंट्रल यूपी से पश्चिम यूपी तक फैली हुई है। पिछड़ों की आबादी में यादवों और कुर्मी के बाद तीसरे नंबर पर इस समाज की संख्या बताई जाती थी। भाजपा में सबसे पहले पिछड़ों की राजनीति के साथ हिंदुत्व का प्रतीक कल्याण सिंह ही थे। भाजपा में सर्वसमाज को हिस्सा बनाने के लिए उनका लंबा प्रयास चलता रहा। मैंने देखा है कि जब वह टिकट वितरण की सूची भेजते थे तो उसमें भी पिछड़ों को महत्व देते थे। 1986 से ही संघ परिवार ने एक ऐसे चेहरे की तलाश थी जो संपूर्ण हिंदुत्व के चेहरे को लेकर चल सके और वह सवर्ण चेहरा भी न हो। 90 के दौर की राजनीति में मुलायम सिंह को टक्कर देने वाले कोई था तो कल्याण सिंह ही थे। मुलायम की राजनीति को ब्रेक लगाने का काम कल्याण करते थे। 1991 में जब कल्याण सिंह सीएम बने तो वह पिछड़ों के और अधिक मजबूत चेहरा बन गए। पिछड़ों के प्रति प्रेम के चलते कल्याण सिंह का कई बार विरोध भी हुआ था। बताते हैं कि कल्याण सिंह ने एक बार तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सामने एक मीटिंग में कहा था, समाज में समानता और समरसता नहीं होगी तो आप हिंदू समाज की कल्पना नहीं कर सकते। आपका हिंदुत्व खोखला है फिर। यह कल्याण सिंह की राजनीति थी जिसका अक्स आज भाजपा की राजनीति में दिखता है। 2013 में जब अमित शाह जब यूपी के प्रभारी बने तो संगठन से लेकर सियासी रणनीति तक में कल्याण युग के फॉमूर्ले का अक्स नजर आने लगा। पार्टी ने ओबीसी और हिंदुत्व की रणनीति को फिर से धार दी। संगठन का ढांचा भी बदला। पिछड़ों के भागीदारी संगठन में बढ़ी। ओबीसी, दलित और महिलाओं के लिए हर स्तर पर अलग से पद सृजित किए गए।

प्रवीण कुमार सिंह

सिर्फ हिन्दू हृदय सम्राट नहीं बल्कि सर्व हृदय सम्राट थे स्वर्गीय कल्याण सिंह

भारतीय राजनीति के युगपुरुष, श्रेष्ठ राजनीतिज्ञ, कोमलहृदय संवेदनशील मनुष्य, वज्रबाहु राष्ट्रप्रहरी, भारतमाता के सच्चे सपूत और भारतीय राजनीति में भगवान श्रीरामचन्द्र जी के हनुमान हिन्दू हृदय सम्राट कल्याण सिंह ऐसे नेताओं में गिने जाते हैं जिन्होंने भारतीय राजनीति में अनेकों मिसालें पेश की हैं। हिन्दू हृदय सम्राट कल्याण सिंह का राजनीतिक व व्यक्तिगत जीवन हमेशा से बेदाग रहा है। कल्याण सिंह के कुशल प्रशासन की मिसालें तब तक दी जायेंगी जब तक ये संसार रहेगा। कल्याण सिंह ने जमीन से जुड़े रहकर राजनीति की और ह्यह्यजनता के नेताह्वह्व के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनायी थी। एक ऐसे इंसान जो बच्चे, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सभी के बीच में लोकप्रिय थे। देश का हर हिन्दू युवा, बच्चा उन्हें अपना आदर्श मानता था। हिन्दू हृदय सम्राट कल्याण सिंह का व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। कल्याण सिंह को भारतीय राजनीति में बाबूजी के रुप में जाना जाता था।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का जन्म 5 जनवरी सन् 1932 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ जनपद की अतरौली तहसील के मढ़ौली ग्राम के एक सामान्य किसान परिवार में हुआ। कल्याण सिंह के पिता का नाम तेजपाल सिंह लोधी और माता का नाम सीता देवी था। कल्याण सिंह में बचपन से ही नेतृत्व करने की क्षमता थी। कल्याण सिंह बचपन में ही राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से जुड़ गए थे और राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की शाखाओं में भाग लेने लगे थे। कल्याण सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में कड़ी मेहनत कर अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद कल्याण सिंह ने अध्यापक की नौकरी की। और साथ-साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से जुड़ कर राजनीति के गुण भी सीखते रहे। कल्याण सिंह राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ में रहकर गांव-गांव जाकर लोगों में जागरुकता पैदा करते रहे। कल्याण सिंह का विवाह रामवती देवी से हुआ। कल्याण सिंह के दो सन्तान है। एक पुत्र और एक पुत्री, पुत्र का नाम राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया है और पुत्री का नाम प्रभा वर्मा है। कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया वर्तमान में उत्तर प्रदेश की एटा लोकसभा सीट से संसद सदस्य हैं। कल्याण सिंह ने अपना पहला विधानसभा चुनाव अतरौली से जीतकर 1967 में उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचे। कल्याण सिंह 1967 से लगातार 1980 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इस बीच देश में आपातकाल के समय कल्याण सिंह 1975-76 में 21 महीने जेल में रहे। इस बीच कल्याण सिंह को अलीगढ और बनारस की जेलों में रखा गया। आपातकाल समाप्त होने के बाद 1977 में रामनरेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। जिसमें कल्याण सिंह को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। सन् 1980 के उत्तर प्रदेश के चुनावों में कल्याण सिंह विधानसभा का चुनाव हार गये।

भाजपा के गठन के बाद कल्याण सिंह को उत्तर प्रदेश का संगठन महामंत्री बनाया गया। इस बीच कल्याण सिंह ने गाँव-गाँव, घर-घर जाकर भाजपा को उत्तर प्रदेश में पहचान दिलाने में अहम् भूमिका निभाई। कल्याण सिंह 1985 से लेकर 2004 तक लगातार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इस बीच कल्याण सिंह दो बार भाजपा के उत्तर पदेश से प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में उत्तर पदेश में राम मंदिर आंदोलन चलाया गया। इस आंदोलन में कल्याण सिंह ने भी अहम् भूमिका निभाई। राम मंदिर आंदोलन की वजह से उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में भाजपा का उभार हुआ। और जून 1991 में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी। जिसमे कल्याण सिंह की अहम भूमिका रही। और कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया। कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री रहते कारसेवकों द्वारा अयोध्या में विवादित बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद वहाँ श्री राम का एक अस्थायी मन्दिर निर्मित कर दिया गया। कल्याण सिंह ने बाबरी मस्जिद विध्वंस की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये 6 दिसम्बर 1992 को मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। यहीं से भाजपा को कल्याण सिंह के रूप में हिंदुत्ववादी चेहरा मिल गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश में भाजपा ने कल्याण सिंह के नेतृत्व में अनेक आयाम छुए। 1993 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में कल्याण सिंह अलीगढ के अतरौली और एटा के कासगंज से विधायक निर्वाचित हुये। इन चुनावों में भाजपा कल्याण सिंह के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। लेकिन सपा-बसपा ने मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में गठबन्धन सरकार बनायी। और उत्तर प्रदेश विधान सभा में कल्याण सिंह विपक्ष के नेता बने। इसके बाद कल्याण सिंह 1997 से 1999 तक पुनः दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री काल में कानून व्यवस्था एक दम मजबूत थी। इसलिए आज तक उत्तर प्रदेश में लोग कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री काल की मिसाल देते हैं। 1998 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व में 58 सीटें जीती।

1999 में भाजपा से मतभेद के कारण कल्याण सिंह ने भाजपा छोड़ दी। कल्याण सिंह ने राष्ट्रीय क्रांति पार्टी का गठन किया। 2002 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अपने दम पर राष्ट्रीय क्रांति पार्टी से लड़ा और राष्ट्रीय क्रांति पार्टी के चार विधायक चुने गए और कल्याण सिंह ने बड़े स्तर पर पूरे प्रदेश में भाजपा को नुकसान पहुँचाया। इसके बाद उत्तर प्रदेश की जमीन पर भाजपा कई वर्षो तक कल्याण सिंह की उथल पुथल का और भाजपा के नकारा नेताओं की साजिश का शिकार बनी रही। लेकिन इसका फायदा न कल्याण सिंह को मिल पाया न भगवा पार्टी को।

भाजपा और कल्याण सिंह दोनों उत्तर प्रदेश की राजनीति में हांशिये पर चले गए। 2004 में कल्याण सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के आमंत्रण पर भाजपा में वापसी तो कर ली लेकिन, उनको वो पॉवर नहीं मिली जो मंदिर आन्दोलन के समय उनके पास थी। 2004 के आम चुनावों में उन्होंने बुलन्दशहर से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा। और कल्याण सिंह पहली बार बुलंदशहर लोकसभा सीट से संसद पहुंचे। 2007 का उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव भाजपा ने कल्याण सिंह के नेतृत्व में लड़ा। कहने को भाजपा ने 2007 में कल्याण सिंह को भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तो बना दिया लेकिन नाम का, जिसके पास ना तो उम्मीदवार तय करने की पॉवर थी और ना ही उनके अंडर में उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रबंधन था। इसलिए वो चुनाव में कुछ अच्छा नहीं कर सके। इसके बाद 2009 में पुनः अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मतभेदों के कारण भाजपा का दामन छोड कर सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव से नजदीकियां बढा लीं। 2009 के लोकसभा चुनावों में एटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सांसद चुने गये। फिर 2009 लोकसभा चुनाव खत्म होते ही मुलायम ने कल्याण से नाता तोड लिया। क्योंकि कल्याण सिंह की बजह से मुस्लिम समुदाय के लोग उनसे नाता तोड चुके थे। इसके बाद कल्याण सिंह ने राष्ट्रीय जनक्रान्ति पार्टी का गठन किया जो कि 2012 के विधानसभा चुनाव में कुछ विशेष नहीं कर सकी।

क्यों भयभीत है भारतीय हिन्दू

पिछले 7 वर्षों से भारत के प्रधानमंत्री हिन्दू सम्राट नरेन्द्र मोदी हैं। इन वर्षों में भारत के हिन्दुओं में जिस तरह का भय देखने को मिल रहा है वह इसके पहले नहीं था। स्वतंत्रता के बाद हिन्दू-मुसलमानों के बीच ऐसा कोई टकराव नहीं था, जिससे दोनों कौम भय एवं असुरक्षा महसूस करती हो। 2014 के बाद से जिस तरह देश में पानीपत की तीसरी लड़ाई, धारा 370 खत्म करने एनआरसी, श्मशान बनाम कब्रिस्तान, हिन्दू राष्ट्र में हिन्दू रहेगा। मुहिम चलने के बाद भी हिन्दू क्यों भयभीत है। इतिहास के मुर्दों को जिंदा करके बदला लेने की प्रवृत्ति ने हिन्दुओं और मुस्मिमों के बीच ध्रवीकरण की आधार शिला बनी। धुवीकरण के कारण वोटों की फसल में बदलाव आया। राजनीति के समीकरण बदले। जातीय समीकरण के स्थान पर हिन्दूह्वमु स्लिम के बीच हुए धुवीकरण ने सत्ता के सारे समीकरण बदल दिए। इस्लामिक आतंकवाद का भय हिन्दुओं के बीच फैलाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा गया। जिसके कारण हिन्दू समाज आज अपने ही देश में भयभीत दिख रहा है।

पिछले 4 वर्षों में नोटबंदी, जीएसटी लागू करने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आने लगी थी। रही सही कसर कोरोना वायरस ने पूरी कर दी। पिछले डेढ़ वर्षों में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, अस्पतालों का महंगा इलाज, लाकडाउन के कारण बेरोजगारी, महंगाई इत्यादि ने आम आदमी का जीना मुश्किल कर दिया है। पिछले वर्षों में दिल्ली, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, म.प्र., राजस्थान, झारखंड, बिहार, प. बंगाल इत्यादि राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए। केन्द्र सरकार और भाजपा ने अपनी सारी ताकत साम-दाम, दंड-भेद के साथ चुनाव जीतने में लगा दी, किन्तु परिणाम अनुकूल नहीं रहे।

पिछले 4 वर्षों में सत्ता के मद में मदमस्त नेताओं ने जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस एवं खाद्य पदार्थों की महंगाई ने आम आदमी के 2 टाइम का खाना सहज रुप से उपलब्ध हो, यह संभव नहीं हो पा रहा है। भाजपा के नेता इस महंगाई और बेरोजगारी को विकास के लिए जरुरी बताते हुए न्यायसंगत बनाने का प्रयास करते हैं। इससे जनता में नाराजगी है। हिन्दू-मुस्लिम को लेकर पिछले वर्षों में कतिपय संगठनों द्वारा जो मुहिम चलाई जा रही है, उससे जनता भयभीत है। बच्चों एवं परिवार की जरुरतों को पूरा नहीं कर पाने से जनता परेशान है। रोटी, कपड़ा मकान कभी लोगों की पहली प्राथमिकता होती थी। यह प्राथमिकता अब बदल गई है। पिछले 20 वर्षों में जिस तरह से आर्थिक एवं सामाजिक जरुरतों में परिवर्तन आया है। उसमें शिक्षा, खान-पान, परिवहन एवं अन्य खर्चे निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के कई गुना बढ़ गए हैं। आज पेट्रोल एवं रसोई गैस निम्न एवं मध्यम वगीय परिवार की पहली जरुरत है। बच्चों की शिक्षा और खान-पान का खर्च पिछले वर्षों में कई गुना बढ़ गया है। वर्तमान स्थिति में आम आदमी महंगाई एवं बेरोजगारी से निराश और नाराज है। जनता सड़कों पर आकर विरोध करने की स्थिति में नहीं है। विपक्षी दल कमजोर है। ट्रेड युनियनों का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। सरकार के असंवेदनशील होने से यह गुस्सा अंदर ही अंदर जनता में बढ़ रहा है। भूखे भजन ना होय गोपाला की तर्ज पर हिन्दू-मुस्लिम का धुवीकरण सत्ता को बचाए रख पाएगा, इसमें संदेह है।

धारा 370 समाप्त होने के बाद कश्मीर घाटी में लगभग 50 हजार से ज्यादा सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद भी पिछले 2 वर्षों में हिन्दुओं ने घाटी में जाकर जमीन नहीं खरीदी। उद्योग धंधे शुरू नहीं कर पाए। काश्मीरी ब्राह्मण अपने घरों में नहीं जा पाए। केन्द्र शासित प्रदेश होने के बाद भी घाटी के पंडितों की घर वापसी हिन्दू मंदिरों को संवारने एवं पूजा-पाठ का कार्य भी शुरू नहीं हुआ। अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद यह माना जा रहा है कि हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण भारत में बढ़ेगा। उ.प्र. का विधानसभा चुनाव एवं 2024 का लोकसभा चुनाव वर्तमान सत्ताधीश आसानी से जीत लेंगे ? सत्तारुण दल का यह सोचना अपनी जगह सच भी हो सकता है। धर्म की आस्था को कभी बदला नहीं जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह तथ्य सार्वजनिक रुप से स्वीकार किया है। मुस्लिम अपनी आस्था भय से बदल देंगे, यह सोच सपने की तरह है। इसी तरह भूखे एवं परेशान हिन्दू इतनी तकलीफों के बाद भी सत्तारुण दल को वोट देंगे, यह सोच भी काल्पनिक है। जिस तरह से बेरोजगारी, महंगाई के कारण देश में आत्महत्या और अपराध बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे है। घर-घर में आर्थिक कारणों के चलते पारिवारिक विवाद हो रहे हैं।

यह लेखक की निजी राय है

औचित्य खोते वैश्विक संगठन

दृश्य 1ः सुरक्षित स्थान की तलाश में अपने ही देश से पलायन करने के लिए एयरपोर्ट के बाहर हजारों महिलाएं, बच्चे और बुजुर्गों की भीड़ लगी है। कई दिन और रात वो भूखे प्यासे वहीं डटें हैं इस उम्मीद में कि किसी विमान में सवार हो कर वो अपना और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करने में कामयाब हो जाएंगे। बाहर तालिबान है, भीतर नाटो की फौजें। हर बीतती घड़ी के साथ उनकी उम्मीद की डोर टूटती जा रही है। ऐसे में महिलाऐं अपनी छोटे छोटे बच्चों की जिंदगी को सुरक्षित करने के लिए उन्हें नाटो फौज के सैनिकों के पास फेंक रही हैं। इस दौरान कई बच्चे कँटीली तारों पर गिरकर घायल हो जाते हैं।

दृश्य 2ः इस प्रकार की खबरें और वीडियो सामने आते हैं जिसमें अफगानिस्तान में छोटी छोटी बच्चियों को तालिबान घरों से उठाकर ले जा रहा है।

दृश्य 3ः अमरीकी विमान टेक ऑफ के लिए आगे बढ़ रहा है और लोगों का हुजूम रनवे पर विमान के साथ साथ दौड़ रहा है। अपने देश को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कुछ लोग विमान के टायरों के ऊपर बनी जगह पर सवार हो जाते हैं। विमान के ऊंचाई पर पहुंचते ही इनका संतुलन बिगड़ जाता है और आसमान से गिरकर इनकी मौत हो जाती है। इनके शव मकानों की छत पर मिलते हैं।

दृश्य4ः एक जर्मन पत्रकार की खोज में तालिबान घर घर की तलाशी ले रहा है, जब वो पत्रकार नहीं मिलता तो उसके एक रिश्तेदार की हत्या कर देता है और दूसरे को घायल कर देता है।

ऐसे न जाने कितने हृदयविदारक दृश्य पिछले कुछ दिनों दुनिया के सामने आए। क्या एक ऐसा समाज जो स्वयं को विकसित और सभ्य कहता हो उसमें ऐसी तस्वीरें स्वीकार्य हैं ? क्या ऐसी तस्वीरें महिला और बाल कल्याण से लेकर मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए बने तथाकथित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के औचित्य पर प्रश्न नहीं लगातीं ?

क्या ऐसी तस्वीरें अमरीका और यूके समेत 30 यूरोपीय देशों के नाटो जैसे तथाकथित वैश्विक सैन्य संगठन की शक्ति का मजाक नहीं उड़ातीं ?

इसे क्या कहा जाए कि विश्व की महाशक्ति अमेरिका की सेनाएँ 20 साल तक अफगानिस्तान में रहती हैं, अफगान सिक्युरिटी फोर्सेज पर तकरीबन 83 बिलियन डॉलर खर्च करती है उन्हें ट्रेनिगं ही नहीं हथियार भी देती हैं और अंत में साढ़े तीन हजार सैनिकों वाली अफगान फौज 80 हजार तालिबान लड़ाकों के सामने बिना लड़े आत्मसमर्पण कर देती है। वहां के राष्ट्रपति एक दिन पहले तक अपने देश के नागरिकों को भरोसा दिलाते हैं कि वो देश तालिबान के कब्जे में नहीं जाने देंगे और रात को देश छोड़कर भाग जाते हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खबर एक नजर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने मध्यांचल भवन नई दिल्ली में लगाया अशोक का पौधा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को दोपहर में मध्यांचल भवन नई दिल्ली में अशोक का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रतिदिन एक पौधा लगाने के अपने संकल्प के क्रम में दिल्ली प्रवास के दौरान पौधारोपण किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव किसान- कल्याण एवं कृषि विकास तथा सहकारिता अजीत केसरी, आवासीय आयुक्त पंकज राग और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मप्र से भक्ति और आलोक को मिली जगह

भारतीय जनता युवा मोर्चा की सोमवार को राष्ट्रीय कार्यसमिति का ऐलान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या (सांसद) ने कर दिया, जिसमें मध्यप्रदेश से दो नेताओं को शामिल किया गया है। भाजयुमो की सोमवार को घोषित राष्ट्रीय कार्यसमिति में भोपाल से भक्ति शर्मा एवं ग्वालियर से आलोक दंगल को शामिल किया गया है।

सौर ऊर्जा उत्पादकों के लिए मिंटो हॉल में कार्यशाला आज

राज्य शासन द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादकों के लिए मंगलवार को मिन्टो हॉल में कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाभियान यानी पीएम कुसुम योजना के किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करना है। इसमें विभिन्न निर्माता कम्पनियां, कंसलटेंट, बैंक आदि के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। किसानों को स्वेच्छा से विकासक चयन की स्वतंत्रता रहेगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग समापन समारोह में शाम 4 बजे योजना में चयनित किसानों और विकासकों को लेटर ऑफअवार्ड यानी एलओए का वितरण करेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखराम की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के मैक्स अस्पताल में कराया भर्ती

शिमला, (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय संचार मंत्री पंडित सुखराम की तबीयत खराब होने के चलते उन्हें उपचार के लिए दिल्ली ले जाया गया है। इस बात की जानकारी उनके पोते आश्रय शर्मा ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट डालकर दी। उन्होंने लिखा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित सुखराम पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे हैं। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली लाया गया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वो देवी-देवताओं के आशीर्वाद और आप सभी की दुआओं से जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होंगे। पंडित सुखराम 94 साल के हैं और अस्वस्थ रहते हैं। आश्रय शर्मा ने बताया कि पंडित सुखराम को यूरिन इन्फेक्शन हुआ है। यह समस्या काफी समय से चल रही थी, लेकिन सही ढंग से उपचार न होने से यह गंभीर हो गई है। इसलिए उन्हें दिल्ली लाया गया है, जहां मैक्स हास्पिटल से उनका उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि अभी डॉक्टर सभी प्रकार के टेस्ट करवा रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद यह निर्णय लिया जाएगा कि सर्जरी करनी है या नहीं।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सोमवार को गृह, जेल, संसदीय और विधि, विधायी कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राजभवन में भेंट की।

जन्माष्टमी पर महाराष्ट्र में नहीं होगी दही हांडी की अनुमति

सीएम ठाकरे ने कहा- स्वास्थ्य सबसे ऊपर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में इस साल जन्माष्टमी के मौके पर दही हांडी का सालाना कार्यक्रम नहीं होगा। दरअसल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के मंडलों से अपील की है कि मानवीयता के आधार पर वे लोगों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और कुछ और वक्त के लिए त्योहारी कार्यक्रम से दूर ही रहें।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को मंडल अधिकारी के साथ हुई बैठक में कहा कि कोरोना के चलते लोग अभी भी आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में मंडल और गोविंदा समूहों ने राज्य सरकार से गुजारिश की थी कि छोटे पैमाने पर ही सही दही हांडी कार्यक्रम के लिए उन्हें अनुमति दें, क्योंकि प्रैक्टिस सेशन पहले से ही आरंभ हो चुके हैं।पिछले हफ्ते राज्य के मंत्री आदित्य ठाकरे के साथ मीटिंग में दही हांडी को-ऑर्डिनेशन कमेटी ने कहा था कि वे लोग दही हांडी के लिए तीन से चार स्तरीय पिरामिड ही बनाएंगे और पूर्ण टीकाकरण करा चुके लोग ही कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुंबई स्थित एक अखबार ने कुछ सदस्यों के हवाले से लिखा है कि अगर गणेश उत्सव को छोटे पैमाने पर आयोजित किया जा सकता है, तो दही हांडी कार्यक्रम के लिए सरकार को परमिशन देनी चाहिए।

गणेशोत्सव को लेकर राज्य सरकार ने जारी की गाइडलाइन : भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि हमेशा की तरह इस साल भी हम दही हांडी का कार्यक्रम आयोजित करेंगे, लेकिन, कार्यक्रम में कितने लोग शामिल होंगे, ये हम सरकार द्वारा दी गई छूट के आधार पर ही फैसला करेंगे। बता दें कि कोरोना महामारी के चलते महाराष्ट्र में इस साल भी गणेशोत्सव का त्योहार लगातार दूसरे साल कड़े प्रतिबंधों के दायरे में मनाया जाएगा। राज्य सरकार ने कार्यक्रम को लेकर गाइडलाइन जारी की है, इसमें गणेश प्रतिमा की ऊंचाई के लिए भी मानक तय किया गया है।

चार फुट से ज्यादा नहीं होगी प्रतिमाओं की ऊंचाई

राज्य सरकार ने अपनी गाइडलाइन में कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाने वाली प्रतिमाओं की ऊंचाई चार फुट से ज्यादा नहीं होगी, वहीं घर पर दो फुट से ज्यादा ऊंचाई की प्रतिमा नहीं स्थापित की जाएगी। आरती के लिए भीड़ लगाने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही राज्य सरकार ने जुलूस निकालने की भी परमिशन नहीं दी है। दस दिवसीय गणपति फेस्टिवल 10 सितंबर से शुरू होगा।

त्योहार मनाने को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता

वहीं नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने चेताते हुए कहा कि त्योहार मनाने को लेकर भारतीयों को सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी भारतीय राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में ऊंची पॉजिटिविटी रेट नहीं है। ऐसे में धार्मिक कार्यक्रमों के लिए प्रतिबंधों में ढील नहीं दी जानी चाहिए।

दिल्ली पुलिस को दिया हाईकोर्ट ने आदेश

मोहम्मद साद की मां को हैंड ओवर करें निजामुद्दीन मरकज का रिहायशी हिस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को आदेश देते हुए कहा कि निजामुद्दीन मरकज के रिहायशी हिस्सों को तबलीगी जमात के प्रमुख मौलाना मोहम्मद साद की मां को हैंड ओवर किया जाए, यही नहीं, हाईकोर्ट ने पुलिस को यह काम दो दिन के भीतर करने का आदेश दिया है, ताकि वो (साद की मां) वहां जाकर रह सकें। इसके अलावा दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने आदेश में मौलाना साद की मां खालिदा को ये भी निर्देश दिया कि वो मरकज के किसी और हिस्से में नहीं जाएंगी।

दिल्ली पुलिस को हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि कौन सा ऐसा सेक्शन लगा रखा है? किसी साइट को रक्षित करने का ये मतलब नहीं होता कि आप उसे लॉक कर दें। आप फोटोग्राफ लीजिए और वहां से हटिए। ये क्या है? केस क्या था? यही न कि लोग मरकज निजामुद्दीन के अंदर रिहायशी जगह और अंदर रह रहे थे? वहां से आपको रिकवरी क्या हुई?

खालिदा ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

बता दें कि मौलाना साद की मां खालिदा ने सबसे पहले निचली अदालत का दरवाजा खटखटाया था। निचली अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। फिर दिल्ली पुलिस ने सेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सेशन कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले पर रोक लगा दी और फिर खालिदा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दिल्ली हाईकोर्ट में फैसला खालिदा के पक्ष में आया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि खालिदा को पुलिस दो दिन के अंदर रिहायशी इलाके की चाभी दे, ताकि वो वहां रह सकें।

जीवन और आजादी का अधिकार: कोर्ट

इससे पहले निचली अदालत ने 11 सितंबर को सुनाए गए आदेश में कहा था कि देश के हर नागरिक को संविधान के तहत जीवन और आजादी का अधिकार हासिल है और रिहायशी परिसर तक पहुंच का अधिकार भी इन्हीं अधिकारों में समाहित है। निजामुद्दीन के थाना प्रभारी की शिकायत पर तबलीगी जमात के नेता मौलाना साद और छह अन्य के खिलाफ महामारी कानून, आपदा प्रबंधन कानून (2005), विदेशी कानून और भारतीय दंड संहिता की अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अब कॉलेज प्रोफेसर नहीं बन पाएंगे कुलपति, न ही बन सकेंगे सर्च कमेटी के सदस्य

स्थायी समिति से प्रस्ताव पारित, कल समन्वय समिति की बैठक में होगा फैसला

राजधानी सहित प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब कॉलेजों में पढ़ाने वाले प्रोफेसर कुलपति नहीं बन पाएंगे। यही नहीं कुलपति का चयन करने राजभवन द्वारा बनाई जाने वाली सर्च कमेटी में भी कॉलेज प्रोफेसर भागीदारी नहीं कर पाएंगे। अब सिर्फविवि में नियुक्त प्रोफेसर ही कुलपति बन पाएंगे और उनका चयन कर पाएंगे। स्थायी समिति की अध्यक्षता करते हुए जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की कुलपति संगीता शुक्ला ने यह प्रस्ताव पास किया है, जिसके बाद अब कॉलेजों में पढ़ा रहे प्रोफेसर कभी भी विश्व वविद्यालयों के कुलपति नहीं बन पाएंगे। इस प्रस्ताव को 25 अगस्त को होने वाली समन्वय समिति की बैठक में रखा जाएगा। यहां मंजूरी मिलने के बाद इस फैसले पर अमल किया जा सकता है। इसके अलावा राजभवन में प्रदेश के 21 विवि के एकरुपता लाने के प्रस्ताव पर भी कुलपति बहस करेंगे।

इन विवि में प्रोफसर हैं कुलपति

वर्तमान में छतरपुर, रीवा, हिंदी, आरजीपीवी, शहडोल सहित अन्य विवि में कॉलेज प्रोफेसर ही कुलपति बने हुए हैं। वहीं अब तक तक सर्च कमेटी में शासन के प्रतिनिधि के रूप में कॉलेज के प्रोफेसर ही भागीदारी करते आए हैं।

दो कुलपतियों को छोड़, अन्य सभी कर रहे हैं विरोध: स्थायी समिति में पारित हुए प्रस्ताव का कई कुलपतियों ने पूरा विरोध किया है। इस प्रस्ताव को केवल बरकतउल्ला विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरजे राव और देवी अहिल्या विवि की कुलपति रेणु जैन ने ही सहमति दी है। ये दोनों कुलपति जीवाजी विवि में प्रोफेसर रहे हैं। अध्यक्ष ने प्रस्ताव को पारित कर राजभवन की समन्वय समिति के एजेंडे में शामिल करने के लिए भेज दिया है। अब 25 अगस्त को होने वाली समन्वय समिति की बैठक में राज्यपाल मंगुभाई छ पटेल की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में कुलपति इसका विरोध करेंगे, क्योंकि इस प्रस्ताव के लागू होने पर कॉलेज प्रोफेसरों का कार्य क्षेत्र सीमित रह जाएगा।

विश्वविद्यालयों में एकरुपता पर होगी बहस: समिति अध्यक्ष ने सभी विवि को एक ही एक्ट के तहत संचालित करने का प्रस्ताव पारित किया है। वर्तमान में प्रदेश के 21 विवि में से उच्च शिक्षा विभाग के 14 विवि हैं। इनमें से आठ विवि मप्र विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के तहत संचालित होते हैं। शेष छह विवि अपने विशेष अधिनियम के तहत संचालित होते हैं। इसके अलावा अन्य विवि के एक्ट संसद से पारित हैं। वहीं माखनलाल विवि और सांची विवि मुख्यमंत्री के अधीन हैं। इसलिए उनमें एकरुपता नहीं ला जा सकती है। राजभवन में प्रदेश के 21 विवि के एक्ट को एक करने के प्रस्ताव पर कुलपति बहस करेंगे।

दिल्ली में बिना पर्यावरण मंजूरी के बन रहे हाइवे पर एनएचएआई को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

चार हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिना पर्यावरण मंजूरी के दिल्ली के द्वारका से होकर गुजरने वाले राजमार्ग परियोजना के निर्माण के खिलाफ दायर याचिका पर नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने नोटिस जारी कर एनएचएआई समेत अन्य से चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि हाइवे के दिन-रात निर्माण होने से वहां का हरित क्षेत्र में बर्बाद हो रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हाईकोर्ट के मुताबिक, किसी मौजूदा सड़क को नेशनल हाइवे बनाने के लिए किसी मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। भूषण ने कहा कि पेड़ काटने, सार्वजनिक परामर्श या पर्यावरण मंजूरी के लिए बिना किसी वैध अनुमति के वे निर्माण कर रहे हैं और वह भयावह है।

2023 तक पूरा करने का लक्ष्य

आपको बता दे कि दिल्ली में द्वारका से होकर गुजरने वाले हाइवे के अलावा दिल्ली और मुंबई को जोड़ने वाले हाइवे पर भी तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क मार्ग से जोड़ने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के काम को साल 2023 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है। अगर निर्धारित किए गए समय पर सड़क बना दी जाती है तो यात्री दो साल बाद अपने वाहन से सिर्फ 12 घंटे का सफर तय करके दिल्ली से मुंबई पहुंच सकेंगे।

तैयार किया जा रहा है 8 लेन का एक्सप्रेस वे

जानकारी के मुताबिक 8-लेन का एक्सप्रेस-वे तैयार किया जा रहा है। यह केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि आने वाले सभी बाधाओं के बीच दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट का काम जल्द से जल्द पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है मुझे उम्मीद है कि एक्सप्रेस-वे को 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा।

निदेशक महेश मांजरेकर को हुआ ब्लेडर कैंसर, मुंबई में हुई सर्जरी

मुंबई, (एजेंसी)। एक्टर निर्देशक महेश मांजरेकर यूरिन ब्लेडर कैंसर से जूझ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में मुंबई में सर्जरी कराई है। महेश मांजरेकर की सर्जरी मुंबई के एचएन रिलाइंस अस्पताल में 10 दिन पहले हुई है। 63 साल के फिल्ममेकर ने खुद बताया है कि उनकी पिछले हफ्ते सर्जरी हुई थी और वह धीरे-धीरे इससे उबर रहे हैं। जानकारी के अनुसार निर्देशक अब अपने घर आ चुके हैं और उनकी हालत पहले से ठीक है। महेश मांजरेकर 'जिंदा', 'रन', 'वांडेट', 'विरुद्ध' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं।

महिला कांग्रेस की बैठक में आज विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

भोपाल, । महिला कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और आगामी समय में तीन विधानसभा एवं एक लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के साथ ही बढ़ती महंगाई को लेकर प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष डॉ. अर्चना जायसवाल मंगलवार को सुबह 11.30 बजे से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के प्रथम तल पर ग्वालियर-चंबल, भोपाल, उज्जैन, इंदौर और होशंगाबाद संभाग के अंतर्गत आने वाले जिलों की जिला/शहर कांग्रेस अध्यक्षों एवं महिला कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक लेंगी। महिला कांग्रेस पदाधिकारी प्रतिभा विक्टर एवं संतोष कंसाना ने बताया कि बैठक में इन संभागों में सक्रियता लाने, प्रदेश में होने वाले एक लोकसभा और तीन विधानसभा उप चुनाव, आगामी नगरीय निकाय चुनाव की रणनीति,प्रदेश में बढ़ रहे महिला अपराध, बेतहाशा बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

विद्युत वितरण कंपनी के वसूली कार्टून पर मंत्री सारंग ने जताई नाराजगी

कंपनी पर भगवान चित्रगुप्त के अपमान का आरोप

भोपाल, । मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बिजली बिल बकाया राशि वसूली में गति लाने की मंशा से एक कार्टून जारी किया था। इस कार्टून का असर बिजली उपभोक्ता पर कितना हुआ या तो जानकारी नहीं मिली, लेकिन मप्र शासन के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग इससे नाराज हो गए और उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को अपनी नाराजगी से अवगत करवाते हुए संबधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की बात कही है। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने कुछ हद तक बात संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बाद में कार्टून वापस लेना ही पड़ा ।

दरअसल, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने हाल ही बिजली बिल की बकाया राशि को लेकर समीक्षा की थी, जिसमें बकाया राशि का विवरण दिया गया है। अधिकारियों ने बकाया राशि वसूली अभियान चलाने आदेश भी दिए थे। वसूली अभियान के लिए कंपनी ने एक कार्टून बनाकर उसे जारी कर बिजली उपभोक्तओं से बकाया राशि जमा करने की अपील की। कार्टून जारी होने के बाद बवाल मच गया, कायस्थ समाज ने इस पर आपत्ति लेते हुए मामले को चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के संज्ञान में लाया गया। बिजली कंपनी का कार्टून देखने के बाद मंत्री सारंग नाराज हो गए, उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को कार्टून में भगवान चित्रगुप्त के चरित्र को गलत ढंग से प्रस्तुत करने पर आपत्ति दर्ज कराई। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने कार्टून जारी करने की मंशा बताकर मामले को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन मामला तूल पकड़ता देख बिजली अधिकारियों ने कार्टून को सर्वजानिक जगहों से हटवा दिया। फिलहाल इस मामले में अभी किसी पर भी कार्रवाई नहीं हुई है।

बिजली कंपनी ने क्या कार्टून किया था जारी

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बकाया वसूली को लेकर जारी कार्टून में यमराज और भगवान चित्रगुप्त को बातचीत करते पेश किया था, जिसमें भगवान चित्रगुप्त के हाथ में एक सूची है, जिसमें बकाया बिल उपभोक्ताओं के नाम दर्ज हैं। यमराज ने भगवान चित्रगुप्त से पूछा कि उनके हाथ में क्या कागज है तो भगवान चित्रगुप्त ने बताया कि बिजली बिल के बकायादारों के नाम की सूची है। इन सबको नर्क में 440 वोल्ट का करंट लगाया जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को दशहरे से पहले मिल सकती है एक और खुशखबरी

फिर बढ़ेगा केंद्रीय कर्मचारियों का डीए और पेंशनर्स के लिए डीआर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारियों को दशहरे से पहले एक और खुशखबरी मिल सकती है। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनर्स के लिए महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी की संभावना है। इससे 1 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को फायदा होगा। सरकार ने हाल में डीए 17 फीसदी से बढ़ाकर 28 फीसदी घोषणा की थी। कोरोना महामारी के कारण सरकार ने पिछले साल डीए को जून 2021 तक फ्रीज करने की घोषणा की थी।

तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद

जुलाई 2021 का महंगाई भत्ता अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन जनवरी से मई 2021 के एआईसीपीआई के आंकड़ों से साफ है कि इसमें 3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। इस तरह 3 फीसदी और बढ़ने के बाद महंगाई भत्ता 31 फीसदी पर पहुंच जाएगा। सूत्रों के मुताबिक सरकार दशहरे या दिवाली के आसपास में डीए बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। इसका भुगतान अगले साल जनवरी 2022 तक हो सकता है।

पहले कितना बढ़ा था डीए

कोरोना की वजह से केंद्र सरकार ने जनवरी 2020 से ही कर्मचारियों को दिए जाने वाले डीए में बढ़ोतरी के भुगतान पर रोक लगा दी थी। जनवरी 2020 में डीए 4 फीसदी बढ़ा था, फिर जून 2020 में 3 फीसदी बढ़ा और जनवरी 2021 में यह 4 फीसदी बढ़ा, लेकिन इस बढ़ोतरी का भुगतान नहीं हुआ। यानी उन्हें पुरानी दर 17 फीसदी के हिसाब से ही डीए मिल रहा था, बीच में जो इजाफा हुआ उसका फायदा नहीं मिल रहा था। अब सरकार ने फैसला किया है 1 जनवरी 2020 से लेकर 30 जून 2021 तक केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 17 फीसदी ही रहेगा। बढ़ा हुआ डीए जुलाई 2021 से लागू होगा। इसका मतलब साफ है कि पिछले करीब 18 महीनों का कोई एरियर नहीं मिलेगा।

...तो 31प्रतिशत तक पहुंच जाएगा महंगाई भत्ता

पिछले साल की तुलना में कुल महंगाई भत्ता 11 फीसदी बढ़ चुका है। सरकार ने जुलाई 2021 से इसे 28 फीसदी कर दिया है। अब जून 2021 में अगर यह 3 फीसदी बढ़ता है तो इसके बाद महंगाई भत्ता (17+4+3+4+3) के साथ 31 फीसदी पर पहुंच जाएगा। यानी अगर किसी कर्मचारी का मूल वेतन 50,000 रुपए है तो उसे 15,500 रुपए डीए मिलेगा। आमतौर पर साल की दूसरी छमाही के लिए डीए बढ़ोतरी का ऐलान जून में होता है, लेकिन, पिछले साल कोरोना महामारी के कारण महंगाई भत्ते को जून 2021 तक फ्रीज रखा गया था।

क्या होता है महंगाई भत्ता

महंगाई भत्ता कर्मचारी के मूल वेतन का एक निश्चित हिस्सा होता है। देश में महंगाई के असर को कम करने के लिए सरकार अपने कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का भुगतान करती है। इसे समय-समय पर बढ़ाया जाता है। पेंशनर्स को महंगाई राहत (डीआर) के तौर पर यह लाभ मिलता है। डीए की गणना के लिए सरकार ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई दर को आधार मानती है और इसके आधार पर हर दो साल में सरकारी कर्मचारियों का डीए संशोधित किया जाता है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने दी स्व. कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि

गृह ग्राम नरौरा (उप्र) जाकर पुष्प चक्र किया अर्पित

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को उत्तरप्रदेश के ग्राम अतरौली के निकट ग्राम नरौरा में उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ केंद्रीय जल शक्ति एवं खाद्य प्र-संस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी थे। उन्होंने भी स्व. कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. कल्याण सिंह एक व्यक्ति ही नहीं एक संस्था भी थे। वे निर्धन वर्ग के उत्थान के लिए सदैव सक्रिय रहे। उन्होंने किसानों के अधिकार-पत्र बनाने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। स्व. श्री सिंह पिछड़े वर्ग और किसानों के हित में आजीवन प्रयासरत रहे।

पोर्टल पर अपलोड होगी टीकाकरण केंद्रों की जानकारी

टीकाकरण की तैयारियों के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने दिए सभी सीएमएचओ को निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कोविड टीकाकरण महाभियान के एक दिन पूर्व मंगलवार को दोपहर तक जिले में बनाएं जा रहे सभी टीकाकरण केंद्रों की जानकारी को पोर्टल पर अपलोड करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ.चौधरी मंत्रालय स्थित एनआईसी कक्ष से जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को टीकाकरण महाभियान की तैयारियों के संबंध में निर्देश दे रहे थे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ.चौधरी ने कहा कि 25 और 26 अगस्त को आयोजित होने वाले कोविड टीकाकरण महाभियान के टीकाकरण स्थानों को चिन्हित करने के साथ टीकाकरण कें द्रों की दिए गए लक्ष्य की 20 प्रतिशत अधिक क्षमता भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कई जिलों में टीकाकरण के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। इंदौर, देवास आदि में कोरोना टीके की पहली डोज 100 प्रतिशत लोगों को लगाई गई है। कु छ जिलों में कम उपलब्धि है। ऐसे जिले जो टीकाकरण में पिछड़ गए हैं। उन्हें पिछड़ने के कारणो को खोजना चाहिए और उन्हें दूर करके टीकाकरण करने में सफलता प्राप्त करना है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ.चौधरी ने कहा कि एक बाईल से कोरोना के 10 डोज के स्थान पर 11 डोज लगाएं जा सकते हैं। इसको भी सुनिश्चित करने का प्रयास करें और अधिकतम डोज लगाएं। उन्होंने कोरोना टीका लगवाने के लिए वालिंटियर्स हैं। वालिंटियर्स को लक्षित व्यक्तियों की जानकारी दें, ताकि वो उन्हें प्रेरित कर टीकाकरण कें द्र तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा है कि 25 अगस्त को होने वाले वैक्सीनेशन की पूरी जानकारी ऑनलाइन 25 अगस्त को ही दी जाएगी।

प्रदेश में 48 लाख लोगों की दूसरी डोज बाकी

25 और 26 के महा अभियान में दूसरा डोज नहीं लगवाने वालों पर करेंगे फोकस

भोपाल । प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रभूराम चौधरी ने बताया है कि प्रदेश में 48 लाख नागरिकों की दूसरी डोज ड्यू हैं। यानी वे ऐसे लोग हैं, जिन्होंने वैक्सीन का पहला डोज तो लगा लिया है। उनके दूसरे डोज का समय आ गया है, लेकिन दूसरा डोज लगाने के लिए वैक्सीनेशन सेंटर में नही पहुंचे। मंत्री चौधरी ने प्रदेश में 25 और 26 अगस्त को टीकाकरण महाअभियान के संबंध में पत्रकार वार्ता ली। इस दौरान उन्होंने इतने अधिक लोगों का दूसरा डोज ड्यू होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चार करोड़ एक लाख 59 हजार 78 से अधिक लोगों को कोविड - 19 टीके की डोज लगाई जा चुकी है। इनमें से तीन करोड़ 35 लाख 71 हजार 833 लोगों को पहली डोज और 65 लाख 87 हजार 245 को दोनों डोज लगाई जा चुकी है। इनमें से 48 लाख नागरिकों की दूसरी डोज ड्यू है। इसलिए अभियान में 18 से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों का मोबिलाइजेशन करते हुए टीके का प्रथम डोज तथा ड्यू नागरिकों को दूसरा डोज लगाया जाएगा। इस चरण में वैक्सीन के दूसरे टीके से वंचित लोगों एवं महिलाओं के टीकाकरण पर विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। अब गर्भवती महिलाओं को भी टीका लगाने के निर्देश मिले हैं। इसलिए उनका भी टीकाकरण चल रहा है। अब तक टीकाकरण से वंचित महिलाओं पर भी फोकस किया जाएगा। इस कार्य में महिला स्व सहायता समूहों एवं अन्य सामाजिक संगठनों, जन अभियान परिषद आदि का सहयोग लिया जाएगा। मैं भी कोरोना वालेंटियर अभियान के तहत पंजीकृत वालेंटियर का भी सहयोग लिया जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी मंत्रीगण अपने प्रभार के जिलों में अभियान की गतिविधियों में शामिल होंगे।

प्रदेश की स्थिति को लेकर कमलनाथ ने की राहुल गांधी से मुलाकात

राजनैतिक मुद्दों, वर्तमान परिस्थितियों और संगठन से जुड़े मामलों पर की चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने करीब एक घंटे की मुलाकात में विभिन्न राजनैतिक मुद्दों, वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों व संगठन से जुड़े मामलों पर चर्चा की।

इस अवसर पर पीसीसी चीफ कमलनाथ ने मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन के कार्यों, विधानसभा के मानसून सत्र को 3 घंटे में ही समाप्त करने से लेकर प्रदेश में ओबीसी वर्ग, आदिवासी वर्ग की भाजपा सरकार द्वारा निरंतर की जा रही अनदेखी, प्रदेश में दलित वर्ग पर बढ़ती उत्पीड़न की घटनाओं से लेकर नेमावर कांड, प्रदेश के कई हिस्सों मे आई बाढ़, कांग्रेसजनों के सेवा एवं राहत कार्य से लेकर प्रदेश में आगामी समय में होने वाले उपचुनावों, भाजपा सरकार द्वारा लोकसभा की तरह विधानसभा में भी चर्चा से भागना, सहित अन्य प्रमुख जनहित के मुद्दों की भी जानकारी देकर उस पर भी इस मुलाकात में चर्चा की। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पेगासस जासूसी मामले से लेकर किसान आंदोलन, बढ़ती महंगाई सहित कई मुद्दों पर भी आगामी रूपरेखा पर इस मुलाकात के दौरान चर्चा की।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन व उर्वरक मंत्री मांडविया से मिले सीएम

मुख्यमंत्री शिवराज ने केंद्र से मांगा वैक्सीन और यूरिया एवं डीएपी

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख एल. मांडविया से उनके कार्यालय में मुलाकात कर प्रदेश में चलाए जा रहे वैक्सीनेशन महाभियान और प्रदेश में यूरिया और डीएपी की बढ़ती मांग के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मप्र को 24 अगस्त तक 11 लाख वैक्सीन की अतिरिक्त डोज उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश के कोटे का यूरिया और डीएपी भी उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक मंत्री मनसुख एल. मांडविया से मुलाकात कर वैक्सीनेशन महाअभियान और प्रदेश में यूरिया और डीएपी की बढ़ती मांग के संबंध में चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पूरे देश में चलाए जा रहे वैक्सीनेशन अभियान में मप्र के शत-प्रतिशत नागरिकों को टीके के दोनों डोज लगाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में 25 और 26 अगस्त को टीकाकरण के महाभियान का द्वितीय चरण आयोजित किया जा रहा है। अभियान के दो दिवसों में कुल 35 लाख नागरिकों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि अभियान को सफ ल बनाने के लिए केंद्र से 11 लाख वैक्सीन की अतिरिक्त डोज मंगलवार तक राज्य को प्राप्त हो जाए, जिससे अभियान को सफल बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि 11 लाख टीके की डोज राज्य सरकार को 24 अगस्त तक केंद्र द्वारा मुहैया करा दी जाएगी।

राज्य में बढ़ गई है डीएपी की मांग

चौहान ने बताया कि प्रदेश में धान रोपण का कार्य प्रगति पर है, जिसके लिए डीएपी की मांग राज्य में बढ़ गई है। इसके साथ ही मक्क ा एवं धान में यूरिया की ड्राप ड्रेसिंग की जा रही है, जिससे यूरिया की भी मांग बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि प्रदेश को अभी तक यूरिया के 12.13 लाख मीट्रिक टन आवंटन की मांग के विरुद्ध केंद्र द्वारा केवल 8 लाख मीट्रिक टन अभी तक दिया गया है। इसी प्रकार डीएपी 8.05 लाख मीट्रिक टन के आवंटन के विरुद्ध केवल 5 लाख मीट्रिक टन मुहैया कराया गया है। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि शेष 4.13 लाख मीट्रिक टन यूरिया और शेष 3.05 लाख मीट्रिक टन डीएपी केंद्र द्वारा शीघ्र जारी किया जाए।

सीएम ने की नैनो यूरिया को भी कृषि क्षेत्र में बढ़ावा देने की बात

केंद्रीय मंत्री मांडविया के सुझाव पर मुख्यमंत्री ने केंद्र द्वारा जारी ई-रुपी व्हाउचर योजना को मप्र में पायलट प्रोजेक्ट की तर्ज पर खाद के लिए एक जिले में लागू करने की बात कही। इसके अलावा एन पी के और एस एस पी खाद के साथ-साथ नैनो यूरिया को भी कृषि क्षेत्र में बढ़ावा देने की बात कही। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं उनके मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं प्रगतिशील किसान अपने-अपने खेतों में इसका प्रयोग करेंगे और किसानों को इसका अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

विद्युत वितरण कंपनी के वसूली कार्टून पर मंत्री सारंग ने जताई नाराजगी

कंपनी पर भगवान चित्रगुप्त के अपमान का आरोप

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बिजली बिल बकाया राशि वसूली में गति लाने की मंशा से एक कार्टून जारी किया था। इस कार्टून का असर बिजली उपभोक्ता पर कितना हुआ या तो जानकारी नहीं मिली, लेकिन मप्र शासन के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग इससे नाराज हो गए और उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को अपनी नाराजगी से अवगत करवाते हुए संबधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की बात कही है। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने कुछ हद तक बात संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बाद में कार्टून वापस लेना ही पड़ा ।

दरअसल, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने हाल ही बिजली बिल की बकाया राशि को लेकर समीक्षा की थी, जिसमें बकाया राशि का विवरण दिया गया है। अधिकारियों ने बकाया राशि वसूली अभियान चलाने आदेश भी दिए थे। वसूली अभियान के लिए कंपनी ने एक कार्टून बनाकर उसे जारी कर बिजली उपभोक्ताओं से बकाया राशि जमा करने की अपील की। कार्टून जारी होने के बाद बवाल मच गया, कायस्थ समाज ने इस पर आपत्ति लेते हुए मामले को चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के संज्ञान में लाया गया। बिजली कंपनी का कार्टून देखने के बाद मंत्री सारंग नाराज हो गए, उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को कार्टून में भगवान चित्रगुप्त के चरित्र को गलत ढंग से प्रस्तुत करने पर आपत्ति दर्ज कराई। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने कार्टून जारी करने की मंशा बताकर मामले को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन मामला तूल पकड़ता देख बिजली अधिकारियों ने कार्टून को सर्वजानिक जगहों से हटवा दिया। फिलहाल इस मामले में अभी किसी पर भी कार्रवाई नहीं हुई है।

बिजली कंपनी ने क्या कार्टून किया था जारी

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बकाया वसूली को लेकर जारी कार्टून में यमराज और भगवान चित्रगुप्त को बातचीत करते पेश किया था, जिसमें भगवान चित्रगुप्त के हाथ में एक सूची है, जिसमें बकाया बिल उपभोक्ताओं के नाम दर्ज हैं। यमराज ने भगवान चित्रगुप्त से पूछा कि उनके हाथ में क्या कागज है तो भगवान चित्रगुप्त ने बताया कि बिजली बिल के बकायादारों के नाम की सूची है। इन सबको नर्क में 440 वोल्ट का करंट लगाया जाएगा।

टीका लगाने वालों को लगेगा आई एम वैक्सीनेटेड का स्टाम्प

भोपाल । प्रदेश में 25 एवं 26 अगस्त को कोरोना संक्रमण से सुरक्षा कवच देने के लिए टीकाकरण महा-अभियान चलाया जाएगा। महा-अभियान के दौरान वैक्सीन लगवाने आए प्रत्येक नागरिक के हाथ के पंजे के पीछे की तरफएक टिक और दो टिक के निशान वाला वैक्सीनेट स्टाम्प वैक्सीन लगवाने के बाद लगाया जाएगा।

एक टिक वाले स्टाम्प का अर्थ होगा कि व्यक्ति को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। दो टिक वाले स्टाम्प के मायने यह होंगे कि व्यक्ति को वैक्सीन के दोनों डोज लग चुके हैं और वह वैक्सीनेट हो चुका है। ऐसे व्यक्ति अपने हाथ पर लगे दो टिक वाले स्टाम्प को अपनी दो ऊंगलियों से वी बनाते हुए सेल्फी के द्वारा यह संदेश देंगे कि आई एम वैक्सीनेटेड। टीकाकरण महा-अभियान में किए जा रहे इस नवाचार में वैक्सीनेट हुए व्यक्तियों की वैक्सीनेट स्टाम्प के साथ फ ोटो ली जाकर सोशल मीडिया पर शेयर की जाएगी। इससे आमजन में वैक्सीन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। आम नागरिक वैक्सीन लगवाकर सीएम ईवेंट पोर्टल पर भी अपने फ ोटो अपलोड कर सकेंगे।

डॉ. नितेश शर्मा बने भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा ने अपने विभिन्न प्रकोष्ठों की घोषणा रविवार को की है, जिसमें डॉक्टर नितेश शर्मा को शिक्षक प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक बनाया गया है। डॉक्टर शर्मा ने बाल्यकाल से संघ के स्वयंसेवक के रूप में कार्य प्रारंभ किया, वे 1990 मैं राम मंदिर शिला पूजन कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। 1992 में राम मंदिर आंदोलन में चंबल पुल पर बनी दीवार तोड़ने पहुंचे तो पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में बाल-बाल बचे। वे छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संपर्क में आए और लंबे समय तक परिषद में कार्य किया। उन्होंने 2004 से 2009 तक परिषद में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह किया। 2009 से 2010 परिषद में प्रांत उपाध्यक्ष मध्य भारत, 2010 से 2013 राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के बाद 2013 से 2016 प्रदेश अध्यक्ष रहे। 2016 से 2020 विभाग प्रमुख तथा 2019 से कार्यपरिषद सदस्य महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर रहे हैं। डॉ. नितेश शर्मा कंप्यूटर साइंस में स्नातकोत्तर एवं पीएचडी तक अध्ययन हुआ है आप सामाजिक, शैक्षणिक, पर्यावरण, सांस्कृतिक गतिविधियों में अत्यंत सक्रिय रहते हैं। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने केंद्रीय, प्रदेश नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी और धर्म गुरुओं के सहयोग से ही महामारी पर पा सके काबू

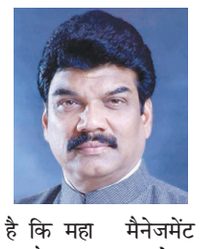

भोपाल (एजेंसी)। कुछ दिनों से दमोह जिले में कोई केस नहीं आ रहा हैं। कोरोना से निपटने सरकार ने पूरे प्रदेश में बहुत अच्छी व्यवस्था मुख्यमंत्री के नेतृत्व में की है। मुख्यमंत्री समय-समय पर वीसी के जरिए चर्चा करते हैं।

कैबिनेट की बैठक में भी वे हमेशा चिंतित रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि महा अभियान पुनः प्रारंभ करने की आवश्यकता है, बहुत सारी सफलता पिछले वैक्सीनेशन अभियान के तहत मिली है। इस आशय के विचार जिले के कलेक्टर एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए प्रदेश के परिवहन एवं राजस्व तथा दमोह जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने धार्मिक गुरुओं और अधिकारियों की वर्चुअली बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। दमोह के प्रभारी मंत्री राजपूत ने कहा कि 25 और 26 तारीख को वैक्सीनेशन महाअभियान शुरू होने वाला है, मुझे पूरा विश्वास है इस महाअभियान में भी हमें सफलता मिलेगी। सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने एक टीम वर्क की तरह काम किया, क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी और धर्म गुरुओं का भी बहुत सहयोग रहा, जिस कारण से हम उस महामारी को काबू पाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि सरकार ने सारी तैयारी कर ली है, ऑक्सीजन की कोई समस्या नहीं है, दूसरे महामारी के दौरान न कलेक्टर, मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री सो पा रहे थे। मुख्यमंत्री प्रतिदिन 4 घंटे सो पाते थे और रात-दिन व्यवस्था में लगे रहते थे।

स्वास्थ्य विभाग ने दर्जनों चिकित्सा अफसरों को किया स्थानांतरित

भोपाल । राज्य शासन ने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग में दर्जनों चिकित्सा अधिकारियों के स्थानांतरण किए हैं। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय ने प्रशासकीय कार्य सुविधा के लिए चिकित्सा अधिकारियों, मलेरिया अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों के तबादला आदेश दिए हैं।

जेल विभाग में तबादले

भोपाल । राज्य सरकार ने सोमवार को जेल विभाग में तबादले किए हैं। आदेश के तहत दो केंद्रीय जेल के अधीक्षकों के साथ 11 जिला जेल अधीक्षक और 36 से अधिक सहायक जेल अधीक्षकों को स्थानांतरित किया गया है। जारी स्थानांतरण आदेश के तहत अलका सोनकर अधीक्षक केंद्रीय जेल उज्जैन को केंद्रीय जेल इंदौर पदस्थ किया गया है। इसी तरह संतोष अधीक्षक अधीक्षक केंद्रीय जेल सागर को केंद्रीय जेल होशंगाबाद पदस्थ किया गया है।

राज्यपाल ने की प्रौद्योगिकी, कृषि और पशु विज्ञान विश्वविद्यालयों की समीक्षा

परिणाम मूलक हो व्यावसायिक शिक्षा : मंगुभाई पटेल

विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना बढ़ाएं

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना को मजबूत बनाएं। उनमें आत्म-निर्भरता के संस्कार विकसित किए जाए। व्यवसायिक शिक्षा परिणाम मूलक होनी चाहिए। कृषि, पशुपालन और उद्योगों की आवश्यकताओं और समस्याओं के समाधान के कार्य विश्वविद्यालयों द्वारा किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा है कि सार्थक शिक्षा के लिए वर्तमान आवश्यकताओं के साथ ही भविष्य की जरूरतों के साथ तालमेल करते रहना जरूरी है। शिक्षण संस्था का क्षेत्र के विकास में क्या योगदान है, इस आधार पर कार्यों की समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने मल्टी एक्जिट और मल्टी इन्ट्री की व्यवस्थाओं के लिए कोर्स माड्यूल को पुनर्निर्धारित करने की जरूरत बताई है।

राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को राजभवन में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी, विश्वविद्यालय भोपाल, नानाजी देशमुख पशु विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर और जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर की अलग-अलग सत्रों में समीक्षा कर रहे थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सोमवार को राजभवन में कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालयों की समीक्षा की।

तकनीकी शिक्षा का उद्योगों से जीवंत संपर्क हो

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों की रोजगार स्थिति की समीक्षा की जाए। कितने विद्यार्थियों ने स्वयं के उद्यम की स्थापना की, कितने व्यवसाय अथवा सेवारत हुए, इसका शिक्षा संस्थान वार विवरण संधरित कराया जाए। उन्होंने कहा है कि जरूरी है कि विद्यार्थियों और उद्योगों के मध्य जीवंत संपर्क बना रहे। तकनीकी शिक्षा संस्थान द्वारा उद्योगों के प्रबंधन को परिसर में समय-समय पर आमंत्रित किया जाए। विद्यार्थियों के शिक्षण, कौशल उन्नयन और तकनीकी दक्षताओं से उन्हें परिचित कराया जाए। इससे उद्योगों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को चयनित करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों के गांव में सेवा कार्यों के अनुभवों को भी संकलित करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा अलग-अलग सामाजिक सरोकारों के अनुसार विद्यार्थियों को ग्रामीण अंचल में भेजा जाए। विद्यार्थी अपने अनुभवों को पारस्परिक आधार पर आपस में साझा करें। इससे गांव के परिवेश के अनुसार जन-जागृति और समाज सेवा के कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन होगा।

कृषकों के बीच पहुंचे कृषि विशेषज्ञ और छात्र

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारा देश खेती प्रधान है। देश के विकास के लिए खेती की गुणवत्ता जरूरी है। कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ, विद्यार्थियों को किसानों के बीच पहुंचना होगा। उन्होंने कहा कि व्यवहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान में अंतर होता है। प्रगतिशील किसानों के अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा करने के साथ ही विद्यार्थियों, विशेषज्ञों को गांव में जाकर किसानों के पास उपलब्ध संसाधनों के आधार पर बेहतर उपयोग के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा देनी चाहिए। उनके बीच नवीन जानकारियों की उपयोगिता और आर्थिक लाभ बताते हुए उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

पशुपालन जीविका का साधन बने

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि पशुपालन को आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए जरूरी है कि पशुओं की उत्पादकता की समीक्षा कर नस्ल सुधार के कार्य किए जाए। पशुपालन के तरीकों, पशुओं के रोगों और उपचार के संबंध में व्यापक स्तर पर जानकारी का प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि पशुपालकों के साथ संपर्क और समन्वय स्थापित कर, उन्हें पशुपालन द्वारा आमदनी बढ़ाने के संबंध में जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पशुपालन में स्व-रोजगार के प्रयासों के लिए प्रेरित किया जाए। विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में पशु मेले आदि आयोजित कर पशुपालकों को नवीन और लाभकारी पशुपालन के लिए जागृत करें।

कर्मचारी संगठनों की मांगों पर होगी समुचित कार्रवाई

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कर्मचारी संगठनों को किया आश्वस्त

भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत कर्मचारी संगठनों से चर्चा करते हुए कहा कि जनता की सुविधाओं को सर्वोपरि प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए हर महीने बैठक करेंगे। तोमर ने कहा कि विद्युत कर्मचारी संगठनों द्वारा उठाई गई मांगों पर एक महीने के अंदर समुचित कार्रवाई की जाएगी। ऐसी मांगें, जिनमें वित्तीय कठिनाई निहित है, उन पर अलग से विचार करेंगे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारी को निर्धारित प्रक्रिया के द्वारा ही हटाया जा सकेगा। इन्हें अकारण नहीं हटाया जाएगा। आईटीआई योग्यता के कर्मचारियों को कुशल कर्मचारी का वेतन दिलाने और बीमा में वृद्धि पर विचार किया जाएगा। कोविड से हुई मृत्यु पर समय-सीमा में अनुकम्पा नियुक्ति दिलाई जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हड़ताल इस बात की करें कि वसूली ज्यादा हो और रख-रखाव में सुधार हो। इसके साथ ही अपनी मांग भी रखें। उन्होंने कहा कि मैं आपकी समस्याओं से वाकिफ हूं और आपके हितों का पूरा ध्यान रखूंगा। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों से हड़ताल पर नहीं जाने का भी आग्रह किया। मंत्री को कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों से अवगत कराया।

दिव्या अग्रवाल को करण जौहर ने लगाई फटकार

बिग बॉस ओटीटी को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। टीवी पर बिग बॉस की शुरुआत से पहले ओटीटी पर बिग बॉस ओटीटी 6 हफ्ते तक टेलिकास्ट किया जाएगा, जिस में से 22 अगस्त को दूसरे हफ्ते का एलिमेशन किया गया। बिग बॉस ओटीटी को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। ऐसे में आपको बताते हैं कि दूसरे संडे का वार में क्या कुछ हुआ। करण जौहर ने बीते संडे का वार की तरह ही इस बार भी दिव्या अग्रवाल की क्लास लगाई। दिव्या ने शो में कहा था कि वो करण को नॉमिनेट करना चाहती हैं। इस पर करण ने दिव्या को कहा कि आप कंटेस्टेंट हो और मैं होस्ट हूं, ये फर्क हमेशा रहेगा। वहीं दिव्या के एक दूसरे स्टेटमेंट पर भी करण ने दिव्या को काफी खरी खोटी सुनाई। करण ने कहा- इज्जत मत दीजिएगा, तो नाम भी मत लीजिएगा, दुनिया ने हमें कुछ हैसियत दी है, तो उसकी इज्जत रखिएगा। करण जौहर ने जीशान को भी उनके एक स्टेटमेंट पर तगड़ी फटकार लगाई और सोफे पर से हटकर पीछे स्टूल पर जाकर बैठने को कह दिया। याद दिला दें कि जीशान ने एक फीमेल कंटेस्टेंट से कहा था कि एंजाइटी अटैक है तो मेडिकल रूम में जाओ। इसके साथ ही शो में करण ने इस बात का भी खुलासा किया कि वो भी एंजाइटी अटैक के विक्टम रहे हैं और तीन साल उनकी थैरेपी चली है। इसके साथ ही करण ने प्रतीक के दवाई लाकर दूं स्टेटमेंट पर भी बात की। करण जौहर ने संडे का वार में मेंटल हेल्थ, ऐज शेमिंग के मुद्दे पर भी काफी बात की। करण ने सभी घरवालों को साफ तौर पर समझाया कि ये कोई पॉप कल्चर नहीं है, जिस बारे में बस बात कर रहे हैं। इस बारे में सभी को सोच समझकर बात करनी चाहिए। करण जौहर ने घर में जारी टाटा- बाटा ग्रुप्स पर भी कहा कि यहां सब बराबर हैं। सोशल मीडिया फॉलोअर्स मिराज है, उसे भूल जाओ। करण जौहर ने अक्षरा सिंह और जीशान का जिक्र करते हुए घर के डबल स्टैंडर्ड्स पर भी बात की।

राखी सावंत की मस्ती

जैसे पिछले संडे का वार में शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला आए थे, वैसे ही इस बार राखी सावंत शो में पहुंचीं और कंटेस्टेंट्स के साथ ढेर सारी मस्ती की। राखी ने घरवालों से डांस करवाया तो वहीं गाना भी गवाया। राखी ने स्टेज से ही माहौल बना दिया। राखी को देख करण जौहर ने कहा कि वो तो ओटीटी महारानी हैं।

करण और रिद्धिमा का सफर हुआ खत्म

याद दिला दें कि इस बार घर के सभी कंटेस्टेंट्स नॉमिनेट थे। करण जौहर ने बताया कि इस बार एक नहीं बल्कि दो सदस्य घर के बाहर होंगे। इसके बाद करण जौहर ने जनता का फैसला बताते हुए कहा कि करण नाथ और रिद्धिमा का सफर खत्म होता है।

विशाल की फिल्म 'कमीने' के बाद बेटा बनाने निकला 'कुत्ते', कलाकारों के नाम के साथ दिलचस्प पोस्टर जारी

अमिताभ बच्चन को हिंदी सिनेमा का एंग्री यंगमैन बनाने वाले प्रोड्यूसर डायरेक्टर प्रकाश मेहरा के जिले बिजनौर के खाते में एक और फिल्म निर्देशक का नाम जुड़ गया है। चर्चित संगीतकार और निर्देशक विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म का सोमवार को एलान हो गया। अमेरिका से सिनेमा की पढ़ाई करके लौटने के बाद आसमान बीते 10 साल से अपने पिता की फिल्मों में सहायक रहे हैं। अर्जुन कपूर और कोंकणा सेन शर्मा स्टारर आसमान भारद्वाज की पहली फिल्म का नाम भी काफी दिलचस्प है और इस बनाने वालों में फिल्म निर्माता लव रंजन व भूषण कुमार के साथ खुद विशाल भारद्वाज भी शामिल हैं। आसमान भारद्वाज की पहली फिल्म का एलान सोमवार को उनके पिता विशाल भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर किया। फिल्म के बाकी सितारों ने भी इसमें उनका साथ दिया। 'सरदार का ग्रांडसन' के बाद सामाजिक, पारिवारिक और सामयिक फिल्मों की तरफ लंबी छलांग लगाने वाले अभिनेता अर्जुन कपूर इस फिल्म के हीरो हैं। उनका साथ देने के लिए फिल्म में विशाल ने सीनियर कलाकारों की लंबी फीलि्डंग सजाई है। इन सितारों में शामिल हैं, नसीरुद्दीन शाह, तब्बू और कुमुद मिश्रा। राधिका मदान और शार्दूल भारद्वाज फिल्म को ताजगी देने का काम करते दिखेंगे। विशाल भारद्वाज के पिता राम भारद्वाज का नाता भी हिंदी सिनेमा से रहा है। उन्हीं की कोशिशों से विशाल भारद्वाज का संगीतबद्ध किया पहला गीत संगीतकार उषा खन्ना तक पहुंचा था। बाद में विशाल मेरठ से दिल्ली पढ़ने आए। यहीं रेखा भारद्वाज से मिले। दूरदर्शन के धारावाहिकों में संगीत देने से संगीतकार बनने का सफर शुरू हुआ और गुलजार की सुपरहिट फिल्म 'माचिस' से वह दुनिया भर में मशहूर हो गए। विशाल ने फिल्म निर्देशन भी इसीलिए शुरू किया कि वह अपनी पसंद की फिल्मों में अपनी पसंद का संगीत दे सकें। बतौर निर्देशक विशाल की पारी अगले साल 20 साल पूरी कर लेगी। फिल्म 'मकड़ी' से शुरू हुआ विशाल का निर्देशकीय सफर पिछले कुछ साल से ढलान पर है। 'सात खून माफ' के फ्लॉप होने के बाद से गड़बड़ाया विशाल का करियर 'मटरू की बिजली का मंडोला', 'हैदर', 'रंगून' से होते हुए 'पटाखा' तक आते आते फुस्स सा हो चुका है। अब विशाल ने डायरेक्शन की दौर की बैटन अपने बेटे को थमा दी है। और, आसमान की पहली फिल्म 'कुत्ते' का एलान भी उन्होंने सोमवार को कर दिया है। विशाल खुद इसके पहले साल 2009 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'कमीने' बना चुके हैं। फिल्म 'कुत्ते' की कहानी के बारे में तो ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है। लेकिन फिल्म के पोस्टर में किसी भी कलाकार का चेहरा न होने और आदमकद तस्वीरों के चेहरों की जगह कुत्तों की तस्वीरें लगी होने से समझ आता है कि ये फिल्म सामयिक विषयों पर एक करारा व्यंग्य हो सकती है। फिल्म के निर्माताओं में आसमान की मां रेखा भारद्वाज के अलावा अंकुर गर्ग का नाम भी शामिल है।

बॉलीवुड

अफगानिस्तान में जन्मीं वरीना हुसैन ने बयां किया दर्द

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद दुनियाभर में चिंता का माहौल है। वहां के आम नागरिक देश छोड़कर जाने के लिए मजबूर हैं। अफगान लोगों के लिए इंसाफ की मांग की जा रही है। सलमान खान की फिल्म में काम कर चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री वरीना हुसैन का जन्म अफगानिस्तान में हुआ है। उन्होंने वहां के बिगड़े हालात पर चिंता जताई है। 20 साल पहले जब अफगानिस्तान के हालात बिगड़े थे तब उनके परिवार ने देश छोड़ दिया था और उज्बेकिस्तान चला गया था। वरीना हुसैन 10 साल पहले भारत आईं और यहीं अपना घर बना लिया। फिल्म 'लवयात्री' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वालीं वरीना ने एक इंटरव्यू में कहा कि तालिबान के कब्जे के बाद वह वहां के हालात समझ सकती हैं कि क्यों लोग काबुल छोड़ना चाह रहे हैं। वरीना का परिवार अमेरिका में रहता है हालांकि उन्होंने मुंबई में काम करना चुना। 'मेरी जिंदगी भी उनकी तरह है जो युद्धग्रस्त देश से पलायन के परिणामों से जूझ रहे हैं। एक बेहतर जिंदगी की तलाश में मेरा परिवार एक देश से दूसरे देश को खोजने लगा। आखिरकार हम भारत पहुंचे, एक उदार और प्यार करने वाला देश, जिसने हमारा स्वागत किया और हमने इसे अपना घर बना लिया। अस्तित्व के लिए लड़ने वाले लोगों की तरह मैंने भी कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। मुझे नहीं पता था कि मैं एक दिन बॉलीवुड अभिनेत्री बन जाऊंगी। कई सालों के संघर्ष के बाद सलमान सर ने मुझे लॉन्च किया।' 'मैं अफगानिस्तान में रही हूं जहां परिवार के साथ पिकनिक एंजॉय किया है और आजादी की खुशबू थी। हालांकि तब भी तालिबान के प्रभाव की वजह से वहां बहुत नियम थे। जैसे एक लड़की रात में अकेले बाहर नहीं जा सकती थी। कई बार हम अपनी मां की दवा लेने के लिए रात में अकेले नहीं निकल पाते थे। यह कई वर्षों के युद्ध का नतीजा था।'

> वरीना हुसैन 10 साल पहले भारत आईं और यहीं अपना घर बना लिया। फिल्म 'लवयात्री' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वालीं वरीना ने एक इंटरव्यू में कहा कि तालिबान के कब्जे के बाद वह वहां के हालात समझ सकती हैं।

अफगान लोगों को मिले अधिकार

'अगर हम वाकई एक शांतिपूर्ण अफगानिस्तान चाहते हैं तो हमें अपनी दादी और उनके पूर्वजों के दौर मे जाना होगा, जब काबुल अपने फैशन, कला, संस्कृति, पर्यटन, व्यापार और स्वतंत्रता के लिए जाना जाता था। नेतृत्व की बात करें तो अब समय आ गया है कि अफगानिस्तान के लोगों को बुनियादी स्वतंत्रता मिले कि वे अपना नेता चुन सकें।' अफगानिस्तान की महिलाओं पर बात करते हुए वरीना कहती हैं कि 'मुझे डर है कि इतने सालों में जो प्रगति हुई है वह गायब हो जाएगी। सालों की लड़ाई के बाद महिलाओं को जो अधिकार मिले हैं वह खत्म हो जाएंगे और वह एक बार फिर से दूसरे दर्जे की नागरिक के रूप में हो जाएंगी जिन्हें बुनियादी अधिकार नहीं मिलेंगे।

सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा

तैमूर से ज्यादा क्यूट हैं करीना कपूर के छोटे नवाब

करीना कपूर खान और सैफ अली खान के लाडले तैमूर अली खान अपने जन्म से सुर्खियों में रहे हैं। हालांकि, इसी साल जनवरी में करीना दूसरे बेटे की मां बनी हैं। करीना ने अब हाल ही में अपने दूसरे बेटे जहांगीर की फोटो शेयर की है। इसके बाद से ही वह भी सोशल मीडिया पर छा गए हैं। तैमूर और उनके छोटे भाई जहांगीर की सोशल मीडिया पर लोग तुलना कर रहे हैं। जहांगीर की क्यूटनेस के लोग कायल हो गए हैं। कोई कह रहा है कि जहांगीर तैमूर से ज्यादा क्यूट है तो कोई तैमूर को ज्यादा क्यूट बता रहा है। जहांगीर का एक और फोटो सामने आया है। इस फोटो में वह नैनी की गोद में नजर आ रहे हैं। करीना ने जहांगीर के 6 महीने के जन्मदिन पर फोटो शेयर की है। इस फोटो को देखने के बाद फैंस जहांगीर की क्यूटनेस पर फिदा हो गए हैं। इस दौरान तैमूर ने भी मीडिया को पोज दिए। मालदीव में करीना सैफ के साथ हाल ही में जन्मदिन मनाकर वापस लौटी हैं। वहीं करीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान भी नजर आएंगे। बता दें कि करीना इन दिनों अपना वजन कम करने में लगी हुई हैं। प्रेग्नेंसी के बाद करीना का वजन काफी ज्यादा बढ़ गया है। जिसे कम करने के लिए वह खूब पसीना बहा रही हैं। इसके अलावा करीना की किताब प्रेग्नेंसी बाइबल भी हाल ही में रिलीज हुई है। जिसको लेकर भी करीना ने खूब सुर्खियां बटोरी थी।

आर माधवन ने शेयर की बेटे वेदांत के साथ तस्वीर

ऐक्टर आर माधवन भले लंबे वक्त से हिंदी फिल्मों से दूर हों लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है, खासकर फीमेल्स के बीच। उनके सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में रहते हैं। इस बार उनका पोस्ट खास वजह से सुर्खियों में है। माधवन ने अपने बेटे वेदांत के 16वें जन्मदिन पर उसकी तस्वीर के साथ शुभकामनाएं दी हैं और लोग उनके बेटे की शक्ल ओलंपिक गोल्ड विनर नीरज चोपड़ा से मिला रहे हैं। आर माधवन ने पोस्ट में लिखा है, मैं जिन चीजों में अच्छा हूं, लगभग हर उस चीज में मुझे पीछे करने के लिए शुक्रिया। मुझे जलन फील करवाने के साथ मेरा सीना गर्व से चौड़ा करने के लिए भी। मुझे तुमसे बहुत कुछ सीखना है, तुम जैसे ही पुरुष बनने की दहलीज पर कदम रख रहो हो, मैं तुमको 16वां जन्मदिन विश करना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि तुम इस दुनिया को उससे भी बेहतर बनाओगे जो हमने तुमको दी है। मैं एक सौभाग्यशाली पिता हूं। आर माधवन के पोस्ट पर कई लोगों ने बेटे को उनके जैसा बताया है वहीं पपराजी विरल भैयानी के पोस्ट पर फॉलोअर्स ने उनके बेटे की शक्ल नीरज चोपड़ा से मिलाई है। एक फॉलोअर का कॉमेंट है, यह गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा की बायोपिक के लिए एकदम परफेक्ट है। एक और फॉलोअर का कॉमेंट है, क्या वह नीरज चोपड़ा जैसा नहीं लग रहा? आर माधवन आज भी कई लड़कियों का क्रश हैं। उनके बेटे की तस्वीर वाले पोस्ट पर भी कई फीमेल फैंस ने मैडी को ज्यादा हैंडसम बताया है। कुछ लोगों ने बेटे की शक्ल आर माधवन से मिलाई है। एक फैन ने लिखा है कि नाक बिल्कुल पिता जैसी है। आर माधवन के इंस्टाग्राम पर भी लड़कियां उनके साथ अक्सर फ्लर्ट करती हैं। इंट्रेस्टिंग बात है, मैडी उनका जवाब भी देते हैं।

'केजीएफ- चैप्टर 2' के फैंस का इंतजार खत्म

14 अप्रैल 2022 में रिलीज़ होगी फिल्म

केजीएफ- चैप्टर 2 के निर्माताओं ने ऐलान किया है कि फिल्म अब 14 अप्रैल 2022 को सिनेमा घरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में दक्षिण के स्टार यश मुख्य भूमिका में हैं। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित फिल्म को इस साल जुलाई में रिलीज़ किया जाना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी की वजह से इसकी रिलीज़ को टाल दिया गया। 'केजीएफ- चैप्टर2 'के बैनर होमबाले फिल्म्स ने रविवार को ट्विटर पर नई तारीख का ऐलान किया। ट्वीट में कहा गया है, आज की अनिश्चितताएं केवल हमारे संकल्प को विलंबित करेंगी, लेकिन जैसा वादा किया गया था, वैसा ही होगा।

खबर एक नजर

मैक्सिम लाग्रेव को हरा विश्व रैंकिंग में 12 वे स्थान पर पहुंचे डोमिंगेज

सेंट लुईस, एजेंसी। ग्रांड चैस टूर 2021 के आखिरी और निर्णायक टूर्नामेंट सिंकिफील्ड कप शतरंज के चौथे राउंड मे यूएसए के ग्रांड मास्टर लेनियर डोमिंगेज आकर्षण का केंद्र रहे। डोमिंगेज ने फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव को सफेद मोहरो से पराजित करते हुए सयुंक्त बढ़त में स्थान बना लिया जबकि मैक्सिम इस हार से अब चौथे स्थान पर सरक गए है। सफेद मोहरो से सिसिलियन नजडोर्फ में डोमिंगेज ने शानदार खेल दिखाते हुए 33 चालों मे खेल अपने नाम किया। इस जीत से अब वह विश्व रैंकिंग मे 12 वे स्थान पर पहुंच गए हैं। अन्य मुकाबलों मे लगातार हार से वापसी करते हुए हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट नें रूस के पीटर स्वीडलर को, यूएसए के सैम शंकलंद नें अजरबैजान के ममेद्यारोव को और यूएसए के स्वीरेज डी ने जेफ्री जियांग को हराया। शीर्ष पर चल रहे यूएसए के वेसली सो और फैबियानो करूआना के बीच बराबरी पर छूटी। 3 लाख 25 हजार डॉलर इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता मे अभी 5 राउंड और खेले जाने बाकी है।

सरकार के तख्तापलट होते ही अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड में तालिबान ने किया फेरबदल

काबुल, एजेंसी। तालिबानियों के नियंत्रण के बाद अफगानिस्तान में उसकी सक्रियता तेजी से बढ़ गई है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व प्रमुख अजीजुल्लाह फाजली को रविवार को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया, जो तालिबान के सत्ता में आने के बाद देश में इस खेल की संचालन संस्था में पहली नई नियुक्ति है। फाजली ने इससे पहले सितंबर 2018 से जुलाई 2019 तक एसीबी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। एसीबी ने ट्वीट किया, 'एसीबी के पूर्व अध्यक्ष अजीजुल्लाह फाजली को बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया है। वह आगामी प्रतियोगिताओं के लिए एसीबी का नेतृत्व करने के साथ बोर्ड की कार्रवाई की देखरेख करेंगे।' एसीबी के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) हामिद शिनवारी ने इस सप्ताह की शुरूआत में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि क्रिकेट गतिविधियां हमेशा की तरह चलती रहेंगी क्योंकि तालिबान खेल का समर्थन करता है। यह देखा जाना बाकी है कि फाजली और उनकी टीम काबुल हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ानों के निलंबन रहने की स्थिति में टीम को किस तरह से श्रीलंका पहुंचाती है जहां उसका अगला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पाकिस्तान के विरुद्ध होना है।

वर्तमान टीम का कोई भी खिलाड़ी हैडिंग्ले में पहले नहीं खेला, अभ्यास में लगा रहे जोर

लीड्स, एजेंसी। टीम इंडिया ने इंग्लिश टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व रविवार को हैडिंग्ले के नेट्स पर अभ्यास शुरू किया जिसमें सभी प्रमुख खिलाड़ियों ने भागीदारी की। पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के लिए लीड्स पहुंचने के तुरंत बाद भारतीय टीम ने अभ्यास शुरू किया। लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में 151 रन की जीत के साथ भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान अजिंक्य रहाणे और सीनियर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा से लेकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने नेट्स पर पसीना बहाया। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने भी अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। कोहली की नजरें लीड्स टेस्ट में जीत के साथ श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त लेने पर टिकी हैं। भारत ने हैडिंग्ले में पिछला टेस्ट 2002 में खेला था और मौजूदा टीम के किसी खिलाड़ी को इस मैदान पर टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है। तीसरा टेस्ट बुधवार से शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के यहां पहुंचने पर ट्वीट किया, 'लीड्स के हैडिंग्ले स्टेडियम में आपका स्वागत है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट का आयोजन स्थल। हैशटैग भारत बनाम इंग्लैंड।'

भारतीय पूर्व विकेटकीपर फारुख इंजीनियर ने कप्तान विराट कोहली को सराहा

लंदन, एजेंसी। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की खेल आक्रामकता को लेकर भारतीय पूर्व विकेटकीपर फारुख इंजीनियर भी दीवाने है और पर उन्होंने कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी आक्रमकता सीमा के भीतर होनी चाहिए। कोहली और जेम्स एंडरसन के बीच लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के दौरान नोंक-झोक हुई थी। इस मुकाबले को भारत ने 151 रनों से जीता था। इंजीनियर ने एक बातचीत में कहा, 'मैं कोहली का प्रशंसक हूं। वह एक आक्रमक कप्तान हैं। यह अच्छा है लेकिन इसकी सीमा होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होगा तो मैच रेफरी और अंपायर हस्तक्षेप करेंगे।' फारूख की माने तो, 'कई बार विराट काफी आक्रामक हो जाते हैं, लेकिन मुझे उनकी आक्रमकता पसंद है। कोहली एक बहुत अच्छे कप्तान हैं। वह दुनिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।' 83 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में जो 89 रनों की साझेदारी की वो बेहतरीन थी। अपने करियर के दिनों में स्लेजिंग को लेकर उन्होंने कहा कि वह विपक्षी टीम को अपने मैदानी प्रदर्शन के जरिए जवाब देने पर ध्यान केंद्रित करते थे। फारूख इंजीनियर ने कहा, 'वे हमें ब्लडी इंडियंस कहते थे। उन्होंने हमारे उच्चारण का उपहास किया, लेकिन मैंने उन्हें जवाब दिया। मैंने उन्हें रन और विकेटकीपिंग और वह सब करके पिच पर वापस जवाब दिया।'

सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला बांग्लादेश से

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम अक्टूबर में मालदीव में होने वाली सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप में अपना पहला मुकाबला तीन अक्टूबर को बांग्लादेश से खेलेगी। भारतीय टीम इसके बाद राउंड रोबिन लीग मैचों में श्रीलंका से छह अक्टूबर, नेपाल से आठ अक्टूबर और मेजबान मालदीव से 11 अक्टूबर को खेलेगी इस चैंपियनशिप में राउंड रोबिन लीग के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों के बीच 13 अक्टूबर को खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरूआत एक अक्टूबर को होगी। पहले दिन मालदीव और नेपाल तथा श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मैच होंगे। हाल के दिनों में जिस प्रकार भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहतर हुआ है उसको देखते हुए टीम को इस बार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इससे पहले साल 2018 के सैफ खेलों में भारतीय टीम उपविजेता रही थी।

25 अगस्त को मिजोरम पहुंचेंगी लालरेम्सियामी

आइजोल, एजेंसी। टोक्यो ओलिम्पिक में चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य लालरेम्सियामी 25 अगस्त को मिजोरम पहुंचेंगी। यहां उनके सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम होगा। इस दौरान इस खिलाड़ी को 15 लाख रुपए, नियुक्ति पत्र और अन्य पुरस्कार भी दिए जाएंगे। मिजोरम से लालरेम्सियामी पहली महिला ओलिम्पियन हैं। प्रदेश से आखिरी ओलिम्पियन पुरुष खिलाड़ी सी लालरेम्सांगा थे जिन्होंने 1992 बासीलीना और 1996 अटलांटा ओलिम्पिक में भाग लिया था। इससे पहले मिजोरम खेल और युवा सेवा मंत्रालय ने लालरेम्सियामी को ग्रुप ए अधिकारी के तौर पर मुख्य कोच नियुक्त किया है। मिजोरम की इस पहली महिला ओलिम्पियन को सहायक निदेशक पदक के समकक्ष ग्रुप ए की नौकरी दी गई है।

अंडर-20 वर्ल्ड ऐथलेटिक्स में जरा सी गलती से स्वर्ण पदक गवां बैठी शैली सिंह, रजत से करना पड़ा संतोष

नैरोबी, एजेंसी। लंबी कूद की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शैली सिंह रविवार को यहां अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ इतिहास रचने से एक सेंटीमीटर से चूक गईं, लेकिन उन्होंने रजत पदक हासिल कर लिया। सत्रह साल की इस प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी ने 6.59 मीटर की कूद के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। स्वीडन की मौजूदा यूरोपीय जूनियर चैम्पियन माजा अस्कागे ने 6.60 मीटर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिग्गज लंबी कूद खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज की शिष्या शैली प्रतियोगिता के आखिरी दिन तीसरे दौर के बाद तालिका में शीर्ष पर थी, लेकिन स्वीडन की 18 साल की खिलाड़ी ने चौथे दौर में उनसे एक सेंटीमीटर का बेहतर प्रदर्शन किया, जो निर्णायक साबित हुआ। यूक्रेन की मारिया होरिएलोवा ने 6.50 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता। शैली स्पर्धा के बाद अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सकीं और उन्होंने नम आंखों के साथ कहा मैं 6.59 मीटर से भी बेहतर कूद सकती थी और स्वर्ण जीत सकती थी। मेरी मां ने मुझे स्वर्ण पदक के बाद स्टेडियम में गाए जाने वाले राष्ट्रगान के बारे में बताया था, मुझे दुख है कि मैं ऐसा नहीं कर सकी। उन्होंने कहा मैं 17 साल की हूं, मैं अगली अंडर 20 विश्व चैम्पियनशिप (काली, कोलंबिया) में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हूं। अगले साल एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होना है और मैं उन प्रतियोगिताओं में अच्छा करना चाहती हूं। उनके कोच बॉबी जॉर्ज

कहा कि छलांग लगाने के बाद नीचे आते समय उससे मामूली तकनीकी चूक हो गई थी नहीं तो वह स्वर्ण जीत सकती थीं। उन्होंने कहा वह स्पर्धा के बाद रो रही थी, उसे पता था कि वह स्वर्ण जीत सकती थी, लेकिन जरा सी गलती से गंवा बैठी। छलांग से नीचे आते समय कुछ तकनीकी समस्या हो गई, नहीं तो वह 6.65 से 6.70 मीटर की दूरी तय कर सकती थी। उन्होंने कहा यह किसी प्रतियोगिता में पहली बार है, जब उसने स्वर्ण नहीं जीता है। वह रजत पदक पसंद नहीं करती है और नीरज चोपड़ा के बाद एथलेटिक्स में वह देश की अगली बड़ी खिलाड़ी बन सकती है। पदकों की संख्या के मामले में इन खेलों में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, जहां उसने दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। इससे पहले हालांकि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा (2016) और फरार्टा धाविका हिमा दास (2018) ने 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। मौजूदा सत्र में इससे पहले मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने बुधवार को कांस्य पदक जीता जबकि पैदल चाल खिलाड़ी अमित खत्री ने 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता था। झांसी में जन्मी इस एथलीट की मां दर्जी का काम करती हैं। शैली फिलहाल बेंगलुरु में अंजू बॉबी जॉर्ज की अकादमी में प्रशिक्षण ले रही है। जहां अंजू के पति बॉबी जॉर्ज उनके कोच है। उन्होंने जून में राष्ट्रीय (सीनियर) अंतर-राज्य चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में 6.48 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की थी, जो उनका पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। वह वर्तमान अंडर-18 विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है, जबकि अंडर 20 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके नाम है। रविवार को अन्य स्पधाओं में त्रिकूद में डोनाल्ड माकिमैराज तीन सेंटीमीटर से कांस्य पदक से चूक गए। उन्होंने 15.82 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन चौथे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में स्वीडन के गैब्रियल वॉलमार्क (16.43 मीटर) ने स्वर्ण और जमैका के जायडॉन हिब्बर्ट (16.05 मीटर) ने रजत जबकि और फ्रांस के सिमोन गोर (15.85 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किए।

चैम्पियन बनेगी वेस्टइंडीज, इसमें दिमाग लगाने की जरूरत नहीं : सैमी

दुबई, एजेंसी। टी20 प्रारूप में परिस्थितियों के साथ सामंजस्य बैठाने की क्षमता को देखते हुए पूर्व कप्तान डेरेन सैमी का मानना है कि मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज आगामी विश्व कप (टी20) में अपने खिताब को बरकरार रखने में सफल रहेगा। वेस्टइंडीज ने 2016 में भारत में हुए टी20 विश्व कप के फाइनल के आखिरी ओवर में कार्लोस ब्रेथवेट के चार छक्कों की दम पर इंग्लैंड को हराया था। सैमी ने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के डिजिटल कार्यक्रम में कहा कि मेरे लिए इसमें दिमाग लगाने जैसा कुछ नहीं है, वेस्टइंडीज की टीम चैंपियन बनेगी। उन्होंने कहा कि जब आप वेस्टइंडीज को देखते हैं तो लोग कह सकते हैं कि मैं पक्षपाती लग रहा हूं, लेकिन पिछले चार (तीन) टूर्नामेंटों में हम अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहे हैं, जिसमें से दो में जीत हासिल की है। हमारे खिलाड़ियों की क्षमता को आप देख सकते हैं। कप्तान कीरोन पोलार्ड वापस आ गए हैं, यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल, आंद्रे रसेल, जेसन होल्डर, फैबियन एलन, एविन लुईस, मैं उन लोगों की लंबी सूची बना सकता हूं तो बस अपने दम पर मैच का रुख बदल सकते है। वेस्टइंडीज की टीम सैमी के नेतृत्व में 2012 और 2016 में इस प्रारूप की विश्व चैंपियन बनी थी। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी यूएई और ओमान में अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने कहा जब आप इंग्लैंड की टीम को देखते है तो वे टी20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे है। विश्व कप के दो स्थल ऐसे है जहां पिचें भारत और कैरेबियाई देशों की तरह होगी। ऐसी परिस्थितियों में वे एक बार चैम्पियन बने है और एक बार उपविजेता रहे है। उनके खिलाड़ी इन परिस्थितियों से अच्छे से सामंजस्य बैठाते है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम अब तक इस खिताब को हासिल करने में नाकाम रही है। वे इसे जीतने के लिए आतुर होंगे। उनके खिलाड़ियों के पास क्षमता है, बहुत सारे खिलाड़ी है, जो आईपीएल में खेलते हैं। वे इन परिस्थितियों को समझते हैं।

गुस्सा काबू करना जानते हैं बुमराह, खुद विपक्षी टीम को छेड़े तो मिलेंगे ज्यादा विकेट : जहीर खान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने आखिरी बार साल 2007 में इंग्लैंड में सीरीज जीती थी। तेज गेंदबाज जहीर खान ने तीन टेस्ट मैचों में 20 विकेट लिए थे। नॉटिंगम में जैली बीन घटना के बाद जहीर ने अपनी ऊर्जा को केंद्रित किया और बाएं हाथ के इस पेसर ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर भारत की शानदार जीत की इबारत लिखी। जब पहली पारी के दौरान जहीर खान बल्लेबाजी कर रहे थे तब स्लिप में खड़े केविन पीटरसन ने उन पर जैली बीन फेंकी थी। इससे जहीर बहुत क्रोधित हो गए थे। कुछ इसी तरह की घटना इस सीरीज में जसप्रीत बुमराह के साथ हुई। जब वह बल्लेबाजी करने आए तो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने उन पर लगातार बाउंसर फेंके, लेकिन बुमराह ने शानदार अंदाज में इसका जवाब दिया। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल का खेल दिखाया और भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने में

अहम भूमिका निभाई। जसप्रीत बुमराह ने जिस तरह अपने गुस्से को दबाया उसे देखकर जहीर खान काफी खुश हैं। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि इस दौरान बुमराह ने अपना आपा नहीं खोया। जहीर ने कहा अगर गुस्सा होकर वह खुद को इस तरह संभाल सकते हैं और ऐसा प्रदर्शन कर सकते हैं तो मुझे लगता है कि उन्हें कई बार खुद विपक्षी टीम को छेड़ना चाहिए। देखिए, वह कितने अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन पहली पारी में उन्होंने कोई विकेट नहीं लिया। मुझे लगता है कि वह इस बात को लेकर काफी फिक्रमंद रहे होंगे। इस घटना की शुरूआत इंग्लैंड की पारी से हुई। यहां जसप्रीत बुमराह ने बल्लेबाजी करने उतरे जेम्स एंडरसन को कुछ बाउंसर्स फेंके। इंग्लैंड के महान खिलाड़ी को यह बात पसंद नहीं आई। जहीर ने कहा इसके बाद घटना ने नया मोड़ ले लिया। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने भी बुमराह को शॉर्ट पिच बोलिंग की। सभी से बुमराह को काफी प्रेरणा मिली। उन्होंने अपने गुस्से को केंद्रित किया। जिस जज्बे के साथ उन्होंने गेंदबाजी की उसकी तारीफ तो बनती है। जब इंग्लैंड की टीम बल्लेबाजी कर रही थी। तब ओली रॉबिनसन और जोस बटलर मैच को ड्रॉ की ओर ले जा रहे थे। ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड मैच को बचाकर ले जाएगा। ऐसे समय पर बुमराह ने एक शानदार स्लो बॉल फेंकी जिस पर रॉबिनसन चूक गए। वह विकेट के सामने पकड़े गए और एलबीडब्ल्यू हो गए। जहीर ने कहा स्लो बॉल फेंकना एक चुनौतीपूर्ण काम है। लेकिन इसे राउंड द विकेट फेंकना और इस एंगल से बल्लेबाज को एलबीडब्ल्यू करने के लिए आपको विकेट के काफी करीब से गेंदबाजी करनी होती है, जो कभी आसान नहीं होती। बुमराह ने एक काफी मुश्किल काम को अंजाम दिया।

केन्या में 2021 विश्व एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों की 800 मीटर फाइनल के बाद जश्न मनाते हुए केन्या के 6 इमैनुएल वान्योनी

टोक्यो पैरालम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद: गुरशरण

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो पैरालम्पिक खेलों के लिए भारतीय दल के प्रमुख गुरशरण सिंह को उम्मीद है कि 24 अगस्त से आठ सितंबर होने वाले इस खेलों में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। गुरशरण का मानना है कि भारतीय खिलाड़ी इन खेलों में कम से कम 15 पदक जरुर जीतेंगे। भारत ने टोक्यो गुरशरण के लिए अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा है। इसमें नौ खेलों में 54 खिलाड़ी भारत की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी पैरा तीरंदाजी, पैरा एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा केनोइंग, पैरा निशानेबाजी, पैरा तैराकी, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा टेबल टेनिस और पैरा ताइक्वांडो मेंभाग लेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पैरा एथलीटों का हाल के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने कहा, '' हमें इन खेलों में पांच स्वर्ण सहित कम से कम 15 पदकों के मिलने की उम्मीद है। हमें पैरा एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा तीरंदाजी और पैरा निशानेबाजी में पदकों की उम्मीदें हैं।'' भारत ने अब तक 11 पैरालम्पिक में चार स्वर्ण समेत 12 पदक जीते हैं। भारतीय खिलाड़ी पैरालम्पिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक की अगुवाई में टोक्यो पहुंचे हैं। भारतीय दल के ध्वजवाहक थंगावेलु मरियप्पन हैं। उन्होंने पिछले खेलों में ऊंची कूद का स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी उनका सपना स्वर्ण पदक जीतना है।'' भारत को दो बार के पैरा भालाफेंक खिलाड़ी देवेंद्र झझारिया, अजीत सिंह, सुंदर सिंह से भी पैरा भालाफेंक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। वहीं तीरंदाजी में राकेश कुमार और श्याम सुंदर कंपाउंड में जबकि विवेक चिकारा और हरविंदर सिंह रिकर्व में और महिला तीरंदाज ज्योति बालियान कंपाउंड तथा मिश्रित वर्ग में उतरेंगी।

मिस्टर भरोसेमंद के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा भारतीय क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सितारा खिलाड़ी और मिस्टर भरोसेमंद के रूप में ख्यात राहुल द्रविड़ की अगुवाई में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने कोचिंग पाठ्यक्रम को नया स्वरूप प्रदान किया है, जिसमें अब विभिन्न क्षेत्रों से होने वाले चयन दबाव सहित मैदान के बाहर के मुद्दों से निपटने के लिए भविष्य के कोचों के लिए 'कॉपोरेट कक्षाओं' का आयोजन हो रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेल चुके कुछ बड़े खिलाड़ियों ने हाल ही में बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के लेवल-दो कोचिंग पाठ्यक्रम में भाग लिया। ये सभी सैद्धांतिक और व्यावहारिक (थ्योरी और प्रैक्टिकल) परीक्षा में भी शामिल हुए। कोचिंग की आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसके पाठ्यक्रम में बदलाव किए गए है, जिसमें 'कॉपोरेट समस्या समाधान कक्षा' को जगह मिलना आश्चर्यचकित करता है, इसमें पाठ्यक्रम में शामिल लोगों को मैदान के बाहर के विभिन्न मुद्दों और उससे जुड़े हितधारकों से निपटने के तरीके को खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम का हिस्सा रहे प्रथम श्रेणी के एक पूर्व क्रिकेटर ने गोपनीयता की शर्त पर

बताया, 'इस पाठ्यक्रम को मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज शेमल (वेनगांवकर) द्वारा तैयार किया गया है, जो एमबीए है और उन्हें कॉपोरेट जगत में काम करने का अनुभव है। मैंने कभी इस तरह की कक्षा में भाग नहीं लिया, लेकिन यह बहुत ही अनोखा था और इसने मुझे अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में मदद की।' उन्होंने बताया कि इसमें 'सौदेबाजी' और 'सुलह' के अंतर को समझाया गया, इसमें बताया गया कि हमें समस्या का समाधान ढूंढने के साथ यह भी देखना होगा कि उसे हल करने का कौन-कौन सा तरीका है। इसमें कोच के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं का जिक्र था। इसमें यह बताया गया कि कैसे चयनकर्ता कोच से अपनी बात मनवाने की कोशिश करता है। क्या कोच चयनकर्ता को प्रशासकों से मदद लेने के लिए मना सकता है?' इस पाठ्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने किसी कक्षा का संचालन नहीं किया, लेकिन वह छात्र की तरह कोचिंग का प्रशिक्षण लेने वालों के साथ बैठे थे। द्रविड़ के खिलाफ खेल चुके प्रथम श्रेणी के एक अन्य पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'वास्तव में जब हमें खिलाड़ियों के वीडियो दिखाए जाते थे और समाधान के बारे में बताने के लिए कहा जाता था, तो राहुल भाई भी हमारे साथ जुड़ जाते थे और समस्या का पता लगाने की कोशिश करते थे। वह हमें बताते थे कि वह अभी भी एक छात्र की तरह महसूस करते है और जिस दिन वह सीखना बंद कर देगा, वह दिन इस क्षेत्र में उनका आखिरी दिन होगा।'